संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 226
पृष्ठ 8
बुधवार
06 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ऑफिस जाने वाली महिलाएं...

विचार- निर्वाचन आयोग के बुनियादी...

खेल- पिता बनने के बाद बदले केएल...

मुख्यमंत्री योगी बोले-

सकारात्मक भाव के साथ कार्य करने वाले ही अच्छी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सामने बड़ी चुनौती थी। डेढ़ लाख परिवार सड़कों पर भूखों मरने की नौबत पर आ सकते थे। इन्होंने 18–19 वर्षों तक सेवा दी है। उम्र के इस पड़ाव में ये कहां जाते? हमने मंत्रिमंडल में फैसला किया कि इनकी सेवाएं समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि इनका सहयोग लेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि 2017 में ही सरकार ने शिक्षा मित्रों का मानदेय साढ़े तीन हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया था। अब और वृद्धि करते हुए इसे 18 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है, जो अप्रैल महीने से लागू हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शिक्षा मित्र सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट आह्वान किया कि अब ट्रेड यूनियन वाली सोच और नकारात्मक वृत्ति को पूरी तरह त्याग देना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षक या शिक्षा मित्र अगर केवल मांगों पर अड़े रहेंगे और नकारात्मक सोच रखेंगे, तो वे न केवल बच्चों की नींव कमजोर करेंगे बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की पुण्य क्षति कर देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा नेचर ट्रेड यूनियन जैसा नहीं हो सकता। पहले देश, फिर हम। सकारात्मक भाव के साथ कार्य करने वाले ही अच्छी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का अपने आपसे कॉम्पिटिशन होना चाहिए। सरकार सकारात्मक सोच के साथ आपके साथ पूरी तरह खड़ी है, इसलिए नकारात्मक भाव बिल्कुल नहीं आने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से चली आ रही आपकी मांग को सरकार ने संवाद और सहयोग के माध्यम से हल किया है, न कि टकराव के रास्ते से। उन्होंने पिछली सरकारों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने बिना नियम–कानून के सहायक शिक्षक के रूप में मान्यता देने का कुत्सित प्रयास किया, जो पूरी तरह नियम–विरुद्ध था। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गलती के कारण सभी शिक्षा मित्रों की सेवाएं समाप्त करने का आदेश दे दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सामने बड़ी चुनौती थी। डेढ़ लाख परिवार सड़कों पर भूखों मरने की नौबत पर आ सकते थे। इन्होंने 18–19 वर्षों तक सेवा दी है। उम्र के इस पड़ाव में ये कहां जाते? हमने मंत्रिमंडल में फैसला किया कि इनकी सेवाएं समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि इनका सहयोग लेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि 2017 में ही सरकार ने शिक्षा मित्रों का मानदेय साढ़े तीन हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया था। अब और वृद्धि करते हुए इसे 18 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है, जो अप्रैल महीने से लागू हो गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में एक शिक्षा मित्र परिवार आया था, जिसकी बेटी गंभीर रूप से बीमार है। उसकी डायलिसिस की व्यवस्था की मांग पर मुख्यमंत्री ने तत्काल संवेदना जताई और फैसला किया कि शिक्षा मित्रों को भी प्रधानमंत्री के कैशलेस स्वास्थ्य कवर की सुविधा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि 5 लाख रुपये का सालाना कैशलेस स्वास्थ्य कवर सभी शिक्षा मित्रों को उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी छूटे होंगे, उन्हें भी यह सुविधा दी जाएगी। बेसिक शिक्षा परिषद को तत्काल जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। बहुत शीघ्र एक भव्य समारोह आयोजित कर सभी को यह कार्ड प्रदान किया जाएगा।

पीआईएल के दुरुपयोग पर अदालत की सख्त टिप्पणी

● जनहित याचिकाएं अब पैसा-राजनीतिक हित याचिका बन गई

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की सबसे बड़ी अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिकाओं के लगातार हो रहे दुरुपयोग पर बहुत ही सख्त और बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में जनहित याचिका का मकसद पूरी तरह से बदल गया है। अब यह प्राइवेट इंटरेस्ट लिटिगेशन (निजी हित), पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन (प्रसिद्धि), पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन (पैसे के लिए) और पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन (राजनीतिक हित) बनकर रह गई है। सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान अदालत ने जनहित याचिकाओं के गिरते स्तर पर यह गहरी चिंता जताई है। इस अहम पीठ में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर रोक को चुनौती देने वाली 2006 की जनहित याचिका के पीछे के असली मकसद पर कड़े सवाल उठाए हैं। इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन की तरफ से 2006 में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक को हटाने की मांग की गई थी। इस मामले में एसोसिएशन के वकील रवि प्रकाश गुप्ता ने अदालत को बताया कि यह जनहित याचिका जून 2006 में छपे चार अखबारों के लेखों के आधार पर दायर की गई थी। इस पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने सख्त लहजे में कहा कि इस याचिका को तो तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए था। पीठ ने कहा कि सिर्फ अखबार का एक लेख किसी को जनहित याचिका दायर करने का अधिकार कैसे दे सकता है। याचिका दायर करने के लिए अपने हिसाब से लेख लिखवाना तो बहुत ही आसान काम है। सुनवाई के दौरान पीठ की अहम सदस्य जस्टिस बीवी नागरत्ना ने याचिकाओं के दुरुपयोग को लेकर काफी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आम जनता की भलाई के लिए जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हैं, न कि अखबारों में छपे लेखों के आधार पर। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि आज जनहित याचिका असल में प्राइवेट, पब्लिसिटी, पैसा और पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन बन गई है।

अपनों पर बरसे राहुल गांधी, बाले-

भाजपा की जीत को बताया लोकतंत्र पर हमला

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जनादेश की चोरी करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह कदम भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के मिशन का एक बड़ा हिस्सा है। साथ ही उन्होंने बंगाल में टीएमसी की हार पर अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं के खुश होने पर भी कड़ी आलोचना की। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, श्कांग्रेस के कुछ लोग और अन्य लोग तृणमूल की हार पर खुशी मना रहे हैं। उन्हें यह साफ तौर पर समझने की जरूरत है कि असम और बंगाल के जनादेश की चोरी भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के भाजपा के मिशन में एक बड़ा कदम है। राहुल गांधी ने अपनी बात जारी रखते हुए आगे कहा, छोटी–मोटी राजनीति को किनारे रख दें। यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी के बारे में नहीं है। यह भारत के बारे में है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में दो तिहाई बहुमत के साथ अगली सरकार बनाने की तैयारी कर ली है। इसके साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस का 15 साल पुराना शासन खत्म हो गया है। इससे पहले राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वोट चोरी के आरोपों का भी समर्थन किया था। राहुल गांधी ने कहा, असम और बंगाल चुनाव के नतीजे चुनाव आयोग के समर्थन से भाजपा द्वारा चुराए गए जनादेश के स्पष्ट मामले हैं। हम ममता जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से अधिक सीटें चुराई गई हैं। हमने यह पहले भी मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और लोकसभा चुनाव 2024 में देखा है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 196 है। चुनाव आयोग ने सोमवार को 293 सीटों के परिणाम घोषित किए। दक्षिण 24 परगना जिले की फालता सीट पर 21 मई को दोबारा मतदान होगा और 24 मई को इसके नतीजे आएंगे। घोषित परिणामों में भाजपा ने 206 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है जबकि तृणमूल कांग्रेस केवल 81 सीटों पर सिमट गई है।

ममता बनर्जी ने हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ा, कहा-

हमारी लड़ाई भाजपा से नहीं, चुनाव आयोग से थी

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी हार को सिरे से नकारते हुए भाजपा पर श्लोकतंत्र की हत्याश और श्वोटों की लूटश का सनसनीखेज आरोप लगाया है। ममता ने दहाड़ते हुए कहा कि हम इलेक्शन नहीं हारे हैं, बल्कि भाजपा ने चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर जनादेश का अपहरण किया है। उन्होंने बड़ा खुलासा करते हुए दावा किया कि वोटर लिस्ट रिवीजन के नाम पर जानबूझकर उनके समर्थकों के लाखों वोट काट दिए गए और काउंटिंग के दौरान उनके एजेंटों को डराया–धमकाया गया। ममता ने साफ कर दिया कि पूरा इंडिया गठबंधन उनके साथ खड़ा है और वे भाजपा की इस श्वोट डकैतीश के खिलाफ चुप नहीं बैठेंगी, बल्कि इस धांधली को अदालत में चुनौती देकर आर–पार की लड़ाई लड़ेंगी। असम विधानसभा चुनाव 2026 में एनडीए गठबंधन की शानदार जीत के बाद असम सरकार के मंत्री और एजीपी नेता अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात कर उन्हें इस बड़ी कामयाबी पर बधाई दी। इस दौरान बोरा ने कहा कि यह जीत मुख्यमंत्री के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है, जिस पर जनता ने मुहर लगाई है। राज्य में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करते हुए भाजपा नीत एनडीए ने दो–तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया है। तमिलनाडु चुनाव के नतीजों पर द्रमुक नेता टीकेएस इलांगोवन ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके केवल कांग्रेस के समर्थन से सरकार नहीं बना सकती, क्योंकि कांग्रेस के पास सिर्फ पांच विधायक हैं। 234 सीटों वाली विधानसभा में 108 सीटें जीतने वाली टीवीके को अन्नाद्रमुक (47 सीटें) के समर्थन की जरूरत होगी। इलांगोवन ने कहा कि अगर अन्नाद्रमुक समर्थन नहीं देती है, तो त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनेगी और दोबारा चुनाव हो सकते हैं। उन्होंने अपनी हार की समीक्षा करने की बात कहते हुए भाजपा पर राज्य में माहौल बिगाड़ने का आरोप भी लगाया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एके एंटनी ने यूडीएफ नेतृत्व से विनम्रता के साथ शासन करने और जनादेश का सम्मान करने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यूडीएफ को सीपीआई के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार की गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए। एंटनी ने कहा कि श्जनता ही असली मालिक हैश और नई सरकार को लोकलुभावन फैसलों के बजाय राज्य की आर्थिक स्थिति सुधारने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने सीपीआई (एम) को आत्ममंथन करने की सलाह भी दी। मुख्यमंत्री पद के सवाल पर उन्होंने कहा कि तीनों संभावित चेहरे योग्य हैं और आलाकमान सभी से विचार–विमर्श के बाद उचित फैसला लेगा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। टीवीके राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पार्टी प्रमुख विजय द्रविड़ राजनीति के संस्थापक सीएन अन्नादुरई को श्रद्धांजलि अर्पित कर नई शुरुआत के संकेत दिए। चेन्नई के पास पनैयूर स्थित पार्टी मुख्यालय में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक हुई, जिसमें विजय को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को असम में पार्टी के विधायी दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केंद्रीय सह–पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पश्चिम बंगाल में पार्टी के विधायी दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केंद्रीय सह–पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बीच निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को राजारहाट न्यू टाउन विधानसभा सीट पर वोटों की दोबारा गिनती (रीकाउंटिंग) शुरू कर दी है।

भाजपा ने की वोट डकैती-सिद्धारमैया

बंगलूरू,एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र के मतों की दोबारा गिनती में भाजपा उम्मीदवार डीएन जीवराज पर आपराधिक साजिश का बड़ा आरोप लगाया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता टीडी राजेगौड़ा के पक्ष में पड़े वैध पोस्टल बैलेट के साथ छेड़छाड़ कर चुनावी परिणाम को बदला गया है। यह विवाद कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश के बाद शुरू हुआ, जिसमें जीवराज की याचिका पर पोस्टल बैलेट के पुनर्मूल्यांकन के निर्देश दिए गए थे। शनिवार को हुई इस प्रक्रिया के बाद, निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राजेगौड़ा के पक्ष में पड़े वोटों में 255 की कमी आई है। इस रिपोर्ट को अब चुनाव आयोग के पास भेज दिया गया है। गौरतलब है कि 2023 के विधानसभा चुनाव में राजेगौड़ा ने जीवराज को 201 वोटों से हराया था। बंगलूरू में मुख्यमंत्री ने कहा, श्यह स्पष्ट रूप से आपराधिक साजिश का मामला है।श्उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, भाजपा और जेडीएस के एजेंटों की ओर से स्वीकार किए जा चुके वैध मतों को बाद में अधिकारियों ने खराब कर दिया।

मुख्यमंत्री ने विस्तार से बताया कि दोबारा गिनती के दौरान 255 मतों को पहले वैध माना गया था। बाद में अधीनस्थ अधिकारियों ने उन पर दूसरा निशान लगाकर उन्हें अवैध बना दिया।

महाराष्ट्र में दरिंदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी यौन अपराधियों को नहीं मिलेगी पैरोल, सरकार लाएगी कानून

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यौन अपराधों पर सख्ती बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। फडणवीस ने ऐसे आरोपियों को पैरोल (अस्थायी रिहाई) देने पर पूरी तरह रोक लगाने के उद्देश्य से नया कड़ा कानून तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया, जहां मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द से जल्द कानूनी मसौदा तैयार कर प्रस्ताव पेश करने को कहा। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने बैठक में चिंता जताई कि राज्य में यौन अपराधों के कई मामलों में आरोपी पहले भी इसी तरह के अपराधों में शामिल रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 80 से 90 प्रतिशत मामलों में आरोपी वे होते हैं जो पहले गिरफ्तार हो चुके होते हैं, लेकिन पैरोल पर बाहर आने के बाद दोबारा अपराध कर बैठते हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए उन्होंने सख्त कानूनी प्रावधान की आवश्यकता पर जोर दिया। फडणवीस ने यह भी उल्लेख किया कि उनके 2014 से 2019 के पिछले कार्यकाल के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने इसी तरह का एक कानून लागू किया था, जिसके तहत यौन अपराधों के आरोपियों को पैरोल देने पर रोक लगाई गई थी। हालांकि, यह कानून करीब तीन साल तक लागू रहने के बाद न्यायालय द्वारा निरस्त कर दिया गया था। इस बार सरकार ऐसे प्रावधान लाने की तैयारी कर रही है जो न्यायिक जांच में भी टिक सकें और कानूनी रूप से मजबूत हों।

भारत और वियतनाम के बीच गहराएंगे रक्षा और आर्थिक संबंध

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और वियतनाम के संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक यात्रा के तहत वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम आज भारत के तीन दिवसीय दौरे पर पहुँचे। इस यात्रा की शुरुआत उन्होंने बिहार के गयाजी पहुंचकर की, जहां बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के गहरे और पुराने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। राष्ट्रपति तो लाम ने अपने प्रवास के दौरान बोध गया का भी दौरा किया, जो वह पवित्र स्थल है जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

उन्होंने महाबोधि मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना की और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया।

यह यात्रा केवल कूटनीतिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जुड़ाव को भी दर्शाती है। इससे पहले वर्ष 2011 में उन्होंने वियतनाम के बाक निन्ह स्थित फाट तिक पगोडा में बोधि वृक्ष का रोपण किया था, जो बोध गया से ही ले जाया गया था।

ड्रोन से रोबोट तक, नॉर्थ टेक सिंपोजियम में दिखा सेना का भविष्य

प्रयागराज। नॉर्थ टेक सिंपोजियम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न उच्च सैन्य और तकनीकी अधिकारियों के साथ उच्च रक्षा तकनीकों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में देश की सुरक्षा से जुड़े आधुनिक नवाचारों और स्वदेशी तकनीकों का व्यापक प्रदर्शन किया गया। सिंपोजियम में संबोधन के बाद रक्षा मंत्री प्रदर्शनी स्थल पहुंचे जहां उत्तरी कमान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने उन्हें प्रदर्शित तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान रक्षा मंत्री को आधुनिक सैन्य वाहनों, उन्नत ड्रोन, मेडिकल सहायता वाहनों, रोबोटिक डॉग, सामान ढोने वाले रोबोट आदि के कार्य और उपयोग के बारे में बताया। लेफ्टिनेंट शर्मा ने रक्षा मंत्री को सुरक्षा ड्रिल का लाइव प्रदर्शन भी दिखाया जिसे वहां लगी स्क्रीन पर विस्तार से समझाया गया। केंद्रीय कमान के जीओसी–इन–सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्या सेनगुप्ता, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, केंद्रीय वायु कमान के वायु अधिकारी कमान–इन–चीफ एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकांतन, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, एसआईडीएम के अध्यक्ष अरुण टी रामचंदानी और आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर रामकृष्णन एस मौजूद रहे।

मिट्टी में दबने से मजदूर की मौत के मामले में ठेकेदारों पर एफआईआर

प्रयागराज। सदियापुर के गुरु सेतुआ घाट पर मिट्टी में दबने से मजदूर गया प्रसाद की मौत के मामले में करेली पुलिस ने ठेकेदार रामचंद्र तिवारी और विकास तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि ठेकेदारों की लापरवाही से हादसा हुआ। सोमवार को पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई की ओर से गुरु सेतुआ घाट पर सीवरेज प्लांट स्टेशन (एसपीएस) की लाइन का काम कराया जा रहा था। रविवार सुबह जेसीबी से खोदाई के दौरान मिट्टी खिसकने से मजदूर गया प्रसाद करीब 12 फीट नीचे मिट्टी में दब गया। करीब चार घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसके शव को बाहर निकाला गया। घटना के बाद ठेकेदार मौके से फरार हो गए थे। मृतक गया प्रसाद के भाई जगत नारायण पाल ने करेली थाने में तहरीर देकर इंसाफ की गुहार लगाई। ठेकेदारों पर बिना सुरक्षा इंतजाम के काम कराने का आरोप लगाया। एसीपी अतरसुइया निकिता श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

युवक से मारपीट के आरोप में बीस दिन बाद प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के त्रिवेणीपुरम में करीब 20 दिन पहले पवन गोस्वामी निवासी आवास विकास कॉलोनी योजना तीन के सेक्टर से हुई मारपीट और तोड़फोड़ मामले में पुलिस ने रविवार को प्राथमिकी दर्ज की। आरोप है कि 14 अप्रैल की दोपहर करीब एक बजे त्रिवेणीपुरम के एक हॉस्टिपल के पास पवन गोस्वामी अपने साथी अधिवक्ता लवलेश मिश्र के साथ खड़े थे। तभी वहां मानवेंद्र सिंह उर्फ जेलर निवासी कतवारूपुर थाना सरायइनायत वहां अपने साथियों के साथ पहुंचा। आरोप है कि उसने पवन के साथ गालीगलौज करते हुए डंडे व पिस्टल निकाल कर मारने की कोशिश की गई। इस दौरान गले से सोने की जंजीर भी छीन ली गई।

प्रयागराज जंक्शन स्थित संगमरमर मस्जिद की यथास्थिति का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज जंक्शन के गेट स्थित संगमरमर मस्जिद की यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है। इसके साथ सुनवाई के लिए अगली तिथि 15 मई नियत की है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा व न्यायमूर्ति सत्यबीर सिंह की खंडपीठ ने दिया है। याचिका के अनुसार रेलवे ने मस्जिद हटाने के लिए नोटिस दिया है। मस्जिद कमेटी ने वक्फ संपत्ति का हवाला नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की। याचिका में रेलवे के नोटिस को रद्द करने की मांग की गई है। सोमवार को कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। अब 15 मई को सुनवाई होगी।

कोर्ट में आरोपी को पेश करने के दौरान दरोगा से धक्कामुक्की

प्रयागराज। कचहरी परिसर के पास सोमवार दोपहर उस दौरान हंगामा हो गया, जब अवैध खनन के आरोप में गिरफ्तार एक आरोपी को बहरिया पुलिस कोर्ट में पेश करने पहुंची। इस दौरान युवक के पक्ष और दरोगा के बीच बहसबाजी व धक्कामुक्की हुई। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि कोई तहरीर नहीं मिली है। मार्च माह में बहरिया पुलिस ने अवैध खनन के आरोप में नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। विवेचना में युवक का नाम सामने आया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद बहरिया थाने में तैनात दरोगा समेत अन्य पुलिसकर्मी सोमवार दोपहर युवक को जिला न्यायालय के समक्ष पेश करने पहुंची। इस दौरान पुलिस टीम को युवक के पक्ष ने घेर लिया। आरोप था कि पुलिस ने फर्जी तरीके से युवक का नाम एफआईआर में शामिल किया है, जिसे लेकर हंगामा शुरू हो गया। मामला इतना बढ़ा कि दरोगा से बहसबाजी शुरू हो गई। सूचना पर पहुंची कर्नलगंज पुलिस स्थिति को संभाला। वहीं डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि कोर्ट में पेश करने के दौरान कुछ लोगों से बहसबाजी हुई थी, किसी की तरफ से तहरीर नहीं दी गई है। आरोपी युवक को जिला न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

चोरी मामले में प्राथमिकी दर्ज न होने से पुलिस से मिले व्यापार मंडल अध्यक्ष

प्रयागराज। हनुमान चौराहा के पास एक रेडीमेड कपड़े की दुकान में बृहस्पतिवार की रात चोरी मामले में व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल चौकी प्रभारी से मिला। अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने एसीपी सोरांव व इंस्पेक्टर से वार्ता कर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। लालगोपालगंज के काली जी मंदिर मार्ग पर मकसूद अहमद की रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। बृहस्पतिवार की रात चोरों ने दुकान में पीछे से सेंध लगाकर नकदी सहित लगभग दो लाख रुपये के कपड़े चोरी कर लिए। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मौका मुआयना किया था।

पूर्व बीडीसी व भाई पर हमला, हालत गंभीर

प्रयागराज। फचकरा गांव निवासी पूर्व बीडीसी अरबिंद बिंद अपने छोटे भाई मुकेश के साथ सोमवार की सुबह बंगलिया पहाड़ी की ओर गए थे। इसी दौरान किसी विवाद में सात आरोपियों ने लोहे की रॉड से दोनों पर हमला कर दिया। हमले में बीडीसी के सिर व पैर में गंभीर चोटें आईं और वह बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़े।

केशव मौर्य का आरोपः भाजपा की जीत को नकारना लोकतंत्र का अपमान, बोले–

जनता जनार्दन है, उसका आदेश सर्वोपरि

प्रयागराज। मौर्य ने स्पष्ट रूप से कहा कि भाजपा की सेवा, सुशासन और विकास की जीत को स्वीकार न करना न केवल लोकतंत्र बल्कि संविधान का भी अपमान है। उन्होंने विपक्षी दलों, जिनमें सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके शामिल हैं, पर श्मतिभ्रमश की स्थिति में होने का आरोप लगाया।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि भाजपा की विकास और सुशासन की जीत को स्वीकार न करना लोकतंत्र और संविधान का अपमान है। प्रयागराज आगमन पर भाजपाइयों द्वारा पुलिस लाइन में किए गए स्वागत के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने यह बातें कहीं।

जनता जनार्दन है, उसका आदेश सर्वोपरिः मौर्य

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जनता ही सर्वोपरि है और उसका आदेश अंतिम होता है। उन्होंने कहा कि भ्रम की राजनीति के दिन अब समाप्त हो चुके हैं। जो लोग जनमत का अपमान करते हैं, उन्हें इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और डीएमके नेता एम. के. स्टालिन जैसे विपक्षी नेताओं की श्जनविरोधी राजनीतिश पर कटाक्ष करते हुए

कहा कि यह अब अंतिम सांसें ले रही है।

मौर्य ने स्पष्ट रूप से कहा कि भाजपा की सेवा, सुशासन और विकास की जीत को स्वीकार न करना न केवल लोकतंत्र बल्कि संविधान का भी अपमान है। उन्होंने विपक्षी दलों, जिनमें सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके शामिल हैं, पर श्मतिभ्रमश की स्थिति में होने का आरोप लगाया।

मोदी–शाह की रणनीति और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम

उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अथक मेहनत, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की सटीक रणनीति और पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रयासों को भाजपा की वर्तमान स्थिति का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि इन्हीं सब के परिणामस्वरूप भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

विपक्ष के अस्तित्व का संकट

केशव प्रसाद मौर्य ने इस बात पर जोर दिया कि अधिकांश राज्यों में जनता बार–बार भाजपा और उसके गठबंधन की सरकारों पर अपना विश्वास जता रही है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के कारण ही विपक्ष के सामने श्अस्तित्व का संकटश खड़ा हो गया है।

स्वागत समारोह में प्रमुख भाजपा नेता रहे मौजूद

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री का स्वागत करने वालों में भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगा पार जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुना पार जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, पूर्व जिला मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, अजय सिंह, राजन शुक्ला सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिसे किया शादी के लिए प्रपोज वो निकली पत्नी

इंस्टाग्राम पर बीवी को पहचान नहीं पाया पति, मंदिर में खुला राज

प्रयागराज। मामला प्रयागराज के दारागंज क्षेत्र का है। आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष की ओर से प्रताड़ित किए जाने के बाद वह पिछले चार वर्ष से मायके में रह रही है। महिला की एक पांच वर्षीय बेटी भी है। महिला ने बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर एक नई आईडी बनाई, जिस पर उसका पति जुड़ गया।

प्रयागराज के दारागंज क्षेत्र में शनिवार को एक अनोखा मामला सामने आया, जहां एक पति अपनी ही पत्नी को इंस्टाग्राम पर पहचान नहीं पाया और दूसरी शादी करने के लिए तैयार हो गया। मामला उस समय उजागर हुआ जब दोनों की मुलाकात नागवासुकि मंदिर के पास हुई।

पत्नी को पहचानते ही पति ने धमकी देते हुए हंगामा शुरू कर दिया। दारागंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार, नवाबगंज थाना क्षेत्र निवासी महिला की शादी करीब नौ वर्ष पूर्व प्रतापगढ़ के रहने वाले युवक से हुई थी।

आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष की ओर से प्रताड़ित किए जाने के बाद वह पिछले चार वर्ष से मायके में रह रही है। महिला की एक पांच वर्षीय बेटी भी है। महिला ने बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर एक नई आईडी बनाई, जिस पर उसका पति जुड़ गया।

पति ने उसे कोई और युवती समझकर बातचीत शुरू की और बाद में शादी का प्रस्ताव भी दे दिया। आरोप है कि वह बार–बार होटल में मिलने का दबाव बना रहा था, लेकिन महिला के मना करने पर मंदिर में मिलने के लिए राजी हुआ। शनिवार दोपहर करीब दो बजे दारागंज स्थित नागवासुकि मंदिर में दोनों की मुलाकात तय हुई। पति अपने एक मित्र के साथ वहां पहुंचा, जबकि महिला अपने परिजनों के साथ पहले से मौजूद थी। पत्नी को पहचानते ही पति भड़क गया और मारपीट करते हुए मौके से भागने की कोशिश की। इस दौरान उसने पत्नी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। हंगामा बढ़ता देख मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पीड़िता का आरोप है कि पति उसके रहते दूसरी शादी की योजना बना रहा था।

चेहरे पर दुपट्टा बांध, चश्मा लगाकर मिलने पहुंची थी

चेहरे पर दुपट्टा बांध व आंखों पर चश्मा लगाकर महिला अपने पति से मिलने पहुंची थी। महिला ने पहले चेहरा ढक कर बातचीत की और बाद में अपनी पहचान उजागर कर दी। दारागंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्र ने बताया कि महिला की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच की जा रही है।

एक गोली पेट, दो गर्दन और एक चेहरे के पास लगी गोली; पुरोहित पर फायरिंग मामले में आरोपियों की तलाश

प्रयागराज। मातम प्रकाश दुबे मंदिर के पास घर में अकेले रहते हैं। रोजाना की तरह साथियों के साथ घर के बाहर बैठे बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार नकाबपोश बदमाश उनके पास पहुंचे और नाम पूछा। मौके पर मौजूद लोगों ने जैसे ही उनका नाम बताया, हमलावरों ने बिना देर किए फायरिंग शुरू कर दी।

प्रयागराज के कीडगंज के यमुना बैंक रोड स्थित काली माई मंदिर के पास सोमवार रात 11 बजे पुरोहित मातम प्रकाश दुबे (59) को बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने गोली मार दी। उन्हें चार गोली लगी हैं। हमलावरों ने पहले उनका नाम पूछा। फिर फायरिंग कर दी। गंभीर रूप से घायल प्रकाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक है। मातम प्रकाश दुबे मंदिर के पास घर में अकेले रहते हैं। रोजाना की तरह साथियों के साथ घर के बाहर बैठे बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार नकाबपोश बदमाश उनके पास पहुंचे और नाम पूछा। मौके पर मौजूद लोगों ने जैसे ही उनका नाम बताया, हमलावरों ने बिना देर किए फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बदमाशों ने एक के बाद एक पांच राउंड फायर किए। इनमें से चार गोलियां प्रकाश को लगीं। एक गोली पेट में, दो गर्दन में और एक चेहरे के पास लगी है। परिजन और स्थानीय लोग तत्काल उन्हें एसआरएन अस्पताल लेकर पहुंचे। कीडगंज पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले लेकिन हमलावरों का सुराग नहीं लग सका है।

पुलिस को प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोली मारने वाले बदमाश ज्यादा उम्र के नहीं थे। उन लोगों ने अपने चेहरे को मास्क से ढका हुआ था। कीडगंज थाना प्रभारी प्रीतम तिवारी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश में कई टीमें लगाई गई हैं। पुरानी रंजिश या जमीन के विवाद में गोली मारे जाने की आशंका है।

गर्दन को छूती हुई निकली एक गोली

भतीजे अनिल कुमार ने बताया कि मातम प्रकाश दुबे के दो बेटे और एक बेटी हैं। उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में इस घटना के बाद कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला कि एक गोली गर्दन को छूती हुई निकल गई। परिजन गोली चलने का कारण नहीं बता सके हैं।

बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों की पहचान के लिए दो टाइम लगा दी गई हैं। जल्द ही आरोपियों को दबोच लिया जाएगा। –मनीष कुमार शांडिल्य, डीसीपी, नगर

तीन राज्यों में कमल खिलने पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

प्रयागराज। तीन राज्यों में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। कार्यकर्ताओं ने मोदी है तो मुमकिन है व जय श्रीराम के नारों के साथ पटाखे फोड़कर एक–दूसरे का मुंह मीठा कराया। भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पासी ने कहा कि ये जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद की जीत है। बूथ–बूथ पर हमारे कार्यकर्ताओं ने दिन–रात मेहनत की। जनता ने परिवारवाद और तुष्टिकरण को नकार कर भाजपा के सबका साथ–सबका विकास पर मुहर लगाई है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुधीर मौर्या ने कहा कि महिला वोटर और फर्स्ट टाइम वोटर ने भाजपा को एकतरफा वोट दिया।

इधर, मऊआइमा में कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। मौके पर शंभू नाथ पटेल, असद उल्ला, दिनेश पटेल, प्रेम जयसवाल, अब्दुल अब्बास, डॉक्टर सुल्तान, आदिल, वकील अहमद और जगदीश विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

वहीं, करछना में भाजपाइयों ने तहसील मुख्यालय में निवर्तमान जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति के नेतृत्व में जश्न मनाया। इस दौरान एक–दूसरे का मुंह मीठा कराया। इस मौके पर जय सिंह पटेल, मनोज गुप्ता, सुखराज पटेल, रामभवन द्विवेदी, राघवेंद्र मिश्रा, रिंकू सिंह, राजकुमार मिश्रा और दिवाकर सिंह आदि रहे।

सब्जियों के दाम घटने से लौटी रसोई की रौनक

प्रयागराज। सहालग का सीजन आते ही आमतौर पर हरी सब्जियों के भाव आसमान छूते हैं। इस बार उल्टा हो गया। शादियों के साथ–साथ बिगड़े घरेलू बजट को भी लौकी–भिंडी ने संभाल लिया है। पिछले 20 दिनों में हरी सब्जियां 40 से 50 फीसदी तक सस्ती हो गई हैं। इससे सहालग में रसोई का बजट सुधर गया। मऊआइमा के जोगापुर सब्जी मंडी में सुबह से किसानों की ट्रैक्टर–ट्रॉलियां लाइन में लग जाती हैं। खेतों में लौकी, कद्दू, करेला, भिंडी और तोरई की बंपर पैदावार हुई है। आवक बढ़ी तो दाम गिर गए। सब्जी विक्रेता मोहम्मद महताब ने बताया कि 15 दिन पहले जो भिंडी 60 रुपये किलो थी, आज 25–30 में बिक रही है। लौकी 40 से 20 रुपये पर आ गई। कद्दू 30 से 15 रुपये हो गया। करेला भी 60 से 30 रुपये पर आ गया है। सहालग में सब्जी महंगी होने से कैटरिंग का बजट बिगड़ जाता था। इस बार 100 लोगों की सब्जी का खर्च 5000 से घटकर 2500 रुपये पर आ गया है। भंडारा कर रहे तीरथ यादव ने बताया कि कार्यक्रम से एक पखवाड़ा पूर्व सब्जी के लिए 50 हजार के बजट का अनुमान था लेकिन अब 30 हजार रुपये में ही काम चल गया। गृहिणी सुमन देवी ने बताया कि पिछले महीने 300 रुपये में थैला खाली रहता था। आज 200 में ही भिंडी, तोरई, लौकी, धनिया–मिर्च सब आ गया।

किसान सुरेश मौर्या ने बताया कि खेत में रोज दो क्विंटल भिंडी तोड़ रहे हैं। दाम कम हैं पर माल बिक जा रहा है, यही राहत है। थोक विक्रेता मोहम्मद नईम ने कहा कि आवक के मुकाबले खपत कम है। गर्मी ज्यादा होने से सब्जी जल्दी खराब हो रही है। इसलिए आढ़ती स्टॉक करने से बच रहे हैं।

सियाचिन में गश्त करेगा रोबोटिक कुत्ता, प्रलय बनकर आसमान से बरसेगी स्वदेशी मौत

प्रयागराज। प्रयागराज में संगम की रेती पर आयोजित रक्षा तकनीक के महाकुंभ ने पूरी दुनिया को न्यू इंडिया के बढ़ते कदमों का अहसास करा दिया है। इस भव्य प्रदर्शनी में भारतीय मेधा और स्वदेशी तकनीक का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने यह साफ कर दिया कि भारत अब रक्षा जरूरतों के लिए दुनिया पर निर्भर रहने वाला देश नहीं, बल्कि खुद भविष्य गढ़ने वाला रक्षा सुपरपावर बन चुका है। अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों के बीच सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र एआई–पावर्ड रोबोटिक म्यूल रहा, जो चार पैरों वाला एक रोबोटिक कुत्ता है। यह रोबोटिक कुत्ता सियाचिन जैसी दुर्गम और बर्फीली चोटियों पर बिना थके भारी वजन ढोने में सक्षम है।

इसकी खास बात यह है कि 360–डिग्री कैमरों और रडार से लैस यह मशीन अंधेरे में भी दुश्मन की हर हरकत पर पैनी नजर रखेगी, जिससे सीमाओं पर घुसपैठ की हर कोशिश नाकाम होगी। इसके अलावा आसमान से दुश्मन को तबाह करने के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स का प्रलय ड्रोन अपनी मारक क्षमता का लोहा मनवा रहा है। इसके बारे में बताया गया कि यह एक घातक सुसाइड ड्रोन है, जो 250 किलोमीटर के दायरे में तीन घंटे तक मंडराते हुए दुश्मन की टोह ले सकता है। जैसे ही लक्ष्य की पहचान होती है, यह कामिकेज़ मोड में आकर खुद को धमाके के साथ दुश्मन के ठिकाने पर झोंक देता है। हवाई हमलों के साथ–साथ आपदा प्रबंधन में भी भारतीय तकनीक ने नया कीर्तिमान रचा है। प्रदर्शनी में पेश किया गया अग्नि रक्षक–वायु ड्रोन आग की विभीषिका से निपटने में गेमचेंजर साबित होगा। यह ड्रोन 80 मीटर की ऊंचाई से पानी की जबरदस्त बौछार कर तेल डिपो और गोला–बारूद के गोदामों जैसी खतरनाक जगहों पर लगी आग को बुझाने में सक्षम है। इसके थर्मल सेंसर धुएं के गुबार के पार भी मलबे में दबे घायलों की सटीक लोकेशन ढूंढ सकते हैं।

15 मिनट में खाई पर बिछेगा 50 मीटर लंबा पुल, दुर्गम पहाड़ों में अब चीते की रफ्तार से दौड़ेगी भारतीय सेना

प्रयागराज। रक्षा तकनीक के महाकुंभ नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 में स्वदेशी इंजीनियरिंग का एक ऐसा चमत्कार देखने को मिला, जिसने सैन्य विशेषज्ञों को भी दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। कोबरा ऑडिटोरियम में सजी इस प्रदर्शनी में ब्रिस्क ऑलिव द्वारा विकसित दुनिया का पहला 50 मीटर लंबा रैपिड फोल्डेबल ब्रिज आकर्षण का केंद्र बना रहा। उच्च शक्ति वाले विशेष एल्युमिनियम अलॉय से तैयार यह जादुई पुल युद्ध जैसी आपातकालीन स्थितियों में सेना की गतिशीलता को एक नई और अचूक रफ्तार देने के लिए तैयार है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि महज 15 से 20 मिनट के भीतर इसे किसी भी गहरी खाई या नाले के ऊपर बिछाया जा सकता है, जिससे सेना के भारी वाहनों और टैंकों का रास्ता बिना किसी बाधा के सुगम हो जाएगा। दुर्गम पहाड़ी इलाकों और सीमावर्ती क्षेत्रों में जहां सड़कें बनाना या पक्के पुल तैयार करना महीनों का काम होता है, वहां यह तकनीक भारतीय सेना के लिए गेमचेंजर साबित होगी।

मत करें चिंता, हर समस्या का कराएंगे समाधान-योगी

जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की सुनी समस्याये

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए, सरकार हर समस्या का समाधान कराएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए पारदर्शी निस्तारण किया जाए। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लिए तथा समीप खड़े अफसरों को समस्या समाधान हेतु दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और निष्पक्ष होना चाहिए। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से कहा यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें

भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्चस्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में मुख्यमंत्री ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

प्रयागराज की डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय 'पूर्णा' शाश्वत सम्मान- 2026 से सम्मानित

प्रयागराज (उ. प्र.)। जिले की वरिष्ठ कवयित्री डा. पूर्णिमा पाण्डेय श्पूर्णाश को सर्व ब्राह्मण महिला संगठन द्वारा गत दिवस प्रयागराज के रामा कॉन्टिनेंटल के सभागार में शाश्वत सम्मान समारोह एवं संकल्पना पुस्तक के लोकार्पण में विशिष्ट अतिथि के

रूप में आमंत्रित कर शिक्षा के क्षेत्र में उनके साहित्यिक योगदान के लिए शाश्वत सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। सर्व ब्राह्मण महिला संगठन की अध्यक्षा श्रीमती राजलक्ष्मी शुक्ला जी ने डा. पूर्णा को अंगवस्त्र, मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डॉ पूर्णिमा पाण्डेय ने कविता पाठ कर वाहवाही बटोरी। ज्ञातव्य है कि नवोदय वैश्विक प्रज्ञान साहित्यिक संस्थान की कार्यकारी अध्यक्षा डा. पूर्णा निरंतर साहित्यिक/शैक्षिक योगदान में सक्रिय भूमिका निभाती आ रही हैं। आपकी चार पुस्तकें पूर्णांजलि , पूर्णिमा – भाव – विविधा ,बाल वाटिका और प्रयागराज महाकुंभ 2025– आस्था का महामेला प्रकाशित हो चुकी है। धार्मिक विदुषी और पर्यटन प्रेमी डा. पूर्णा की इस उपलब्धि के लिए परिवारीजनों, शुभचिंतकों और साहित्य प्रेमियों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयां शुभकामनाएं देते हुए उनके सुदीर्घ उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अजय राय मेदांता से हुए डिस्चार्ज, डॉक्टरों ने दी कुछ दिन आराम करने की सलाह

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को मंगलवार को मेदांता अस्पताल से छुट्टी दे दी। मंगलवार सुबह डॉक्टरों के राउंड के बाद उन्हें हॉस्पिटल से डिस्चार्ज करने की अनुमति दी गई थी। डॉक्टरों ने अगले कुछ दिनों के लिए उन्हें आराम करने की सलाह दी हैं। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इससे पहले 1 मई की शाम अचानक बेचैनी और घबराहट के बाद बेहोश होने पर उन्हें मेदांता में भर्ती कराया गया था। शुरुआती हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें इमरजेंसी में भर्ती कर आईसीयू में निगरानी में रखा था। अजय राय की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद वाराणसी से लेकर दिल्ली तक इसकी चर्चा रही। मेदांता में भर्ती होने के अगले ही दिन पीएम मोदी और राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जल्द स्वास्थ्य सुधार की कामना की थी। डॉक्टरों की टीम ने लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखी और आवश्यक जांचें कराईं। उनकी कंडीशन को देखते हुए उन्हें आईसीयू में रखा गया था। मेदांता के आईसीयू इंचार्ज और सीनियर डॉक्टर डॉ.दिलीप दुबे की निगरानी में उनका इलाज शुरू किया गया। चार दिनों तक चले उपचार और निगरानी के बाद उनकी सेहत में सुधार हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि अब उनकी हालत पूरी तरह स्थिर है। और जरूरी चिकित्सकीय मानकों पर सुधार मिलने के बाद उन्हें डिस्चार्ज करने का निर्णय लिया गया है। अस्पताल प्रशासन की ओर से उन्हें कुछ दिनों तक आराम करने और नियमित फॉलोअप कराने की सलाह दी गई है। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय की एक मई को दोपहर में अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। वे बेहोश हो गए थे। उन्हें तत्काल मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इमरजेंसी में एक्सपर्ट डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज हुआ था। इसके बाद उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया था। ब्रेन स्ट्रोक या हार्ट अटैक की आशंका को देखते हुए जांच की गई थी। डॉक्टर्स की टीम देखभाल में लगी हुई है थी। जिस वक्त अजय राय की तबीयत बिगड़ी, वे पार्टी मुख्यालय में एक कार्यक्रम में थे।

2017 में 3,500 से 10,000 और अब 18,000 रूपए- संदीप

"उत्तम प्रदेश" बनाने के लक्ष्य में शिक्षामित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश की योगी सरकार ने बेसिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत 1.43 लाख शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 से बढ़ाकर 18,000 रुपए प्रतिमाह कर दिया है। इस निर्णय को सम्मान के साथ लागू करने हेतु मंगलवार को गोरखपुर स्थित योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र में भव्य "शिक्षामित्र सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री ने किया।

महिला आरक्षण लागू करें या फिर स्वीकार करे कि वह महिलाओं के हितों के खिलाफ है : अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार से वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए महिलाओं का आरक्षण तुरंत लागू करने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई एक पोस्ट में भाजपा को चुनौती दी कि या तो वह उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए महिला आरक्षण लागू करें या फिर खुले तौर पर स्वीकार करे कि वह महिलाओं के हितों के खिलाफ है। उन्होंने पोस्ट में कहा, पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) की मांग है कि जो महिला आरक्षण समस्त विपक्ष ने मिलकर संसद में सहर्ष पास किया है उसे 2027 के उप्र विधानसभा चुनाव में लागू करने की घोषणा भाजपा सरकार तत्काल करे या कह दे कि पुरुषवादी भाजपाई और उनके सामंती संगी-साथी महिलाओं को आरक्षण के खिलाफ हैं। यादव ने कहा, जब तक यह घोषणा नहीं होगी तब तक हम यह बात हर हफ्ते जगह-जगह उठाते रहेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें वह समाजवादी पार्टी पर संसद में महिला आरक्षण को रोकने का इल्जाम लगा रहे हैं। यादव की यह मांग उनकी पार्टी की व्यापक पीडीए रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत साल 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वोट बैंकों को मजबूत करने का मंसूबा है। साल 2011 की जनगणना पर आधारित परिसीमन

प्रक्रिया के बाद 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए लोकसभा सीटों को मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 किया जाना था। इसके अलावा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को समायोजित करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ाई जानी थीं। इस सिलसिले में केंद्र सरकार द्वारा लाया गया संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पिछली 17 अप्रैल को संसद में पारित नहीं हो सका था। उसके बाद से भाजपा लगातार विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगा रही है।

गन्ने की फसल पर चूसक कीटों का खतरा

गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर ने किसानों को बताए बचाव का उपाय

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार गन्ना किसानों की बेहतरी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग ने फसल को कीटों से बचाने के लिए अलर्ट जारी किया है। अपर गन्ना आयुक्त वीके शुक्ला के मुताबिक इस समय चूसक कीटों का खतरा मंडरा रहा है। गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर ने जरूरी सुझाव दिए हैं। वर्तमान में तापमान अधिक होने के कारण उत्तर प्रदेश में गन्ने के पौध और पेड़ी फसल में चूसक कीटों का प्रकोप देखा जा रहा है, जिससे फसल की वृद्धि और उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर ने इन चूसक कीटों की पहचान, लक्षण एवं प्रभावी नियंत्रण के संबंध में विस्तृत जानकारी किसानों के लिए साझा की है।काला चिकटा चूसक कीट काले रंग का होता है। इसका प्रकोप अधिक तापमान व शुष्क मौसम समान्यतः अप्रैल से जून में पेड़ी में अधिक व बावक फसल में कम दिखाई देता। प्रभावित पौधों की पत्तियों पीली हो जाती हैं और उन पर कत्थई रंग के धब्बे पाए जाते हैं। इसके शिशु पत्रकंचुक एवं गन्ने के गोंफ के मध्य में पाये जाते हैं। प्रौढ़ तथा शिशु दोनों पत्तियों का रस चूसते हैं, जिससे गन्ने की बढ़वार रुक जाती है।वहीं थ्रिप्स कीट बहुत छोटे लगभग 2-3 मिमी आकार के होते है। मादा कीट गहरे भूरे रंग व नर हल्के रंग के होते है। इसका प्रकोप अधिक तापमान व शुष्क मौसम में तेजी से होता है। थ्रिप्स पत्ती की उपरी सतह के अंदर अंडे देते है व निम्फ निकलकर पत्ती के रस चूसते हैं। पत्ती का अग्रभाग मुड़ कर नुकीला हो जाता है। प्रभावित पत्तियां ऊपर से नीचे की ओर सफेदपीली हो जाती हैं। बारिश शुरू होते ही इनकी जनसंख्या में कमी होने लगती है। सैनिक कीट की सूड़ी अवस्था गन्ने की पत्तियों को खाता है। मादा कीट पत्रकंचुक में एक समूह में अंडे देती है। पेड़ी फसल में इस कीट का प्रकोप अधिक होता है।शोध वैज्ञानिकों के मुताबिक इन तीन कीटों पर नियंत्रण के लिए खेत की नियमित अंतराल पर सिंचाई करते रहें। खेत को खरपतवार या गन्ने की सूखी पत्तियों से मुक्त रखें। संतुलित उर्वरक का प्रयोग करें। साथ ही सुबह या शाम को प्रोफेनोफॉस 40 प्रतिशत के साथ साइपरमेन्थिन 4 प्रतिशत ई.सी. 750 मिली अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एसएल दर 200 मिली का प्रति हेक्टेअर की दर से 625 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

योगी सरकार का एसएन मेडिकल कॉलेज अन्य राज्यों के नवजात को भी दे रहा नया जीवन

मध्यप्रदेश और राजस्थान के बच्चों का हो रहा इलाज, सी पैप मशीन बनी वरदान

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में नवजात मृत्यु दर आईएमआर को और कम करने के लिए अपग्रेड की जा रही स्वास्थ्य इकाइयों का लाभ दूसरे राज्यों के बच्चों को भी मिल रहा है। नए विकसित हो रहे व अपग्रेड हो रहे सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट एसएनसीयू न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट एनबीएसयू सी-पैप मशीन के प्रयोग से प्रदेश में आईएमआर कम हुआ ही है, मध्यप्रदेश, राजस्थान जैसे दूसरे राज्यों के नवजातों की जान बचाने में भी यूपी की स्वास्थ्य इकाइयां मददगार साबित हो रहीं हैं। आगरा के सरोजनी नायडू मेडिकल कालेज की ही ले लीजिए। इस मेडिकल कालेज में हर साल मध्यप्रदेश व राजस्थान के तकरीबन 200 बच्चों को नवजीवन मिलता है। मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू के नोडल अधिकारी प्रो. नीरज यादव के मुताबिक यूपी के अलावा इन दोनों राज्यों के एक दर्जन जिलों से आए बच्चों का यहां इलाज किया जाता है। राजस्थान के धौलपुर जिले से आई 27 वर्षीय सुमन ने बताया कि हमारे जनपद के कई बच्चों को एसएन मेडिकल कालेज में नया जीवन मिला है। जन्म के छठे दिन जब मेरे बच्चे की तबियत खराब हुई तो हम उसे सीधे आगरा लेकर भागे। एसएन मेडिकल कॉलेज में 18 अप्रैल को बच्चे का इलाज शुरू हुआ। डॉक्टरों के मुताबिक बच्चे को संक्रमण हो गया था। उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। बच्चे को सी-पैप सपोर्ट पर रखा गया। धीरे-धीरे बच्चा स्वस्थ हो गया और अपने घर चला गया। प्रो. नीरज यादव बताते हैं कि राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर और मध्य प्रदेश के भिंड व मुरैना से काफी बच्चे मेडिकल कालेज में आते हैं और उनका इलाज किया जाता है। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में एक साल में 1800 मरीज भर्ती होते हैं, जिसमें एक प्रतिशत यानि 200 बच्चे दूसरे राज्यों के होते हैं।25 प्रतिशत प्री-मैच्योर बच्चों की संख्या होती है। 800 से 1000 ग्राम के कई बच्चे भी स्वस्थ होकर गए हैं। एसएनसीयू में स्थापित सी-पैप मशीनें काफी उन्नत और किफायती तकनीक वाली हैं, जिसके दुष्प्रभाव भी काफी कम हैं। सी-पैप द्वारा निश्चित अनुपात में ऑक्सीजन व हवा को नाक के जरिए फेफड़ों तक पहुंचाया जाता है और बच्चे को सांस लेने में आसानी होती है। वेंटिलेटर की तुलना में सी-पैप के अधिक फायदे हैं। बच्चे की कंगारू मदर केयर केएमसी भी जल्दी शुरू हो जाती है।

संक्षिप्त

तहसील न कचहरी,घर बैठे मिलेगी प्रमाणित खतौनी

डिजिटल पहल से राजस्व सेवाएं आसान, 24 घंटे सुविधा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने आम नागरिकों की सुविधा के लिए खतौनी की प्रमाणित नकल प्राप्त करने की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दिया है। अब लोगों को तहसील या कचहरी के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं और घर बैठे कुछ आसान चरणों में प्रमाणित प्रति प्राप्त कर सकेंगे।उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद द्वारा शुरू की गई इस व्यवस्था के तहत नागरिक राजस्व विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर लॉगिन कर सकते हैं। 'खतौनी की नकल' विकल्प का चयन कर जनपद, तहसील और ग्राम की जानकारी भरनी होती है तथा संबंधित गाटा संख्या का चयन करना होता है। निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करते ही प्रमाणित प्रति तुरंत डाउनलोड के लिए उपलब्ध हो जाती है। सुविधा 24 घंटे संचालित है, यूपीआई सहित विभिन्न डिजिटल भुगतान माध्यमों को सपोर्ट करती है। इस पहल से समय, श्रम और अनावश्यक खर्च की बचत होगी, प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेजी होगी। प्रदेश सरकार की यह डिजिटल पहल राजस्व संबंधी सेवाओं को आधुनिक, सरल और आमजन के लिए अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पहले बड़ा मंगल पर डीएम ने पूड़ी-सब्जी बांटी, सिलेंडर महंगा होने पर गन्ने के रस का भंडारा

लखनऊ, संवाददाता। ज्येष्ठ महीने का आज पहला बड़ा मंगल है। लखनऊ में 1000 से ज्यादा जगहों पर भंडारे चले। नगर निगम में इस मंगल के लिए 348 भंडारों का रजिस्ट्रेशन है। जिलाधिकारी विशाख जी. ने कैसरबाग स्थित यूपी प्रेस क्लब में यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन की तरफ से आयोजित भंडारे में पूड़ी बांटी। हजरतगंज में एक युवक ने 4 क्विंटल गन्ने के रस का भंडारा कराया। उसने कहा कि कॉमर्शियल सिलेंडर महंगा होने पर बिना सिलेंडर के ही भंडारा करा दिया है। बजरंगबली ने सब दिया है। उनकी कृपा से भंडारा पूरा हुआ। दोस्तों के साथ मिलकर 4 क्विंटल गन्ना और 1 क्विंटल बर्फ का भंडारा कराया। राजधानी में सोमवार आधी रात 12 बजे से ही मंदिरों में हनुमानजी की पूजा-अर्चना शुरू हो गई। भक्त बजरंगबली के सामने हाथ जोड़कर, कान पकड़कर माफी मांग रहे हैं। अलीगंज प्राचीन मंदिर, पुराने हनुमान मंदिर, हनुमान सेतु, हनुमंतधाम, गुलाचीन, लेटे हनुमान मंदिर में भक्तों का दर्शन के लिए तांता लगा। सीएम योगी ने सोशल मीडिया पर हनुमानजी की तस्वीर शेयर कर प्रदेश के लोगों के पहले बड़े मंगल की बधाई दी है।

खाली प्लॉट में हिस्ट्रीशीटर का शव मिला, 6 महीने पहले भाई की हुई थी हत्या

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में खाली प्लॉट में हिस्ट्रीशीटर का शव मिला है। पीजीआई कोतवाली में उसके खिलाफ 7 मुकदमे दर्ज हैं। 6 महीने पहले उसके भाई की हत्या कर दी गई थी। वह एक मामले में जेल गया था। कुछ दिन पहले ही जमानत पर छूटकर बाहर आया था। मंगलवार सुबह उसका शव मिला। घटना सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के नगराम रोड स्थित सेक्टर-8 अवध विहार योजना की है। मृत हिस्ट्रीशीटर की पहचान पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के रेवतापुर निवासी सचिन यादव (30) के रूप में हुई। शरीर पर कई जगह चोट के निशान हैं। शव करीब 24 घंटे पुराना बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, सुबह 9.31 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि में सड़क किनारे प्लॉट में एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की खुद ही शिनाख्त की। इसकी सूचना परिजनों को सूचना दी। शव मिलने वाली जगह मृतक के घर से 3 किलोमीटर दूर है। सुशांत गोल्फ सिटी थाना प्रभारी राजीव रंजन उपाध्याय का कहना है कि सचिन एक मामले में जेल में बंद था। कुछ समय पहले ही जेल से जमानत पर बाहर गया था। कुछ महीने पहले पारिवारिक विवाद हुआ था, जिसमें दोनों पक्षों के 10 लोग जेल गए थे। मृतक शव पर कई चोट के निशान हैं।

कैफे में लगी भीषण आग,दमकल की 2 गाड़ियों ने पाया काबू

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के मड़ियाव थाना क्षेत्र स्थित आईआईएम रोड पर सोमवार देर रात एक कैफे में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में पूरे कैफे को अपनी चपेट में ले लिया। घटना रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। आग लगने से कैफे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। यह कैफे करीब चार महीने पहले ही शुरू किया गया था। स्थानीय लोगों ने धुआं और आग की लपटें उठती देख तुरंत फायर विभाग और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बीकेटी फायर स्टेशन से दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने से कैफे में रखा लगभग पूरा सामान जलकर राख हो गया। हालांकि हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। कैफे मालिक अमान के मुताबिक, कैफे की शुरुआत करीब चार महीने पहले ही की गई थी। आग से उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

आंधी-बारिश से जनहानि पर सीएम का सख्त निर्देश, कहा- 24 घंटे में मुआवजा, घायलों के इलाज में न हो लापरवाही

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में आंधी, अति वर्षा और आकाशीय बिजली से हुई जनहानि को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सीएम ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों के त्वरित व समुचित इलाज व सभी प्रभावितों को 24 घंटे के भीतर राहत राशि उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए हैं। साथ ही जिलाधिकारियों को फील्ड में रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार निगरानी करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने को कहा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस आपदा पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों का समुचित और तत्काल इलाज सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जनहानि, पशुहानि और घायलों को 24 घंटे के भीतर अनुमन्य राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान भी कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

सम्पादकीय.....

बरगी बांध हादसे पर कुछ सवाल

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध में गुरुवार शाम हुए क्रूज नाव हादसे में एक सुखद सैर भयानक स्वप्न में बदल गई। इस दर्दनाक घटना में अब तक कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 छोटे बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के बाद की एक बेहद मार्मिक तस्वीर सामने आई है, जिसमें एक महिला से उसका छोटा बच्चा चिपका हुआ है। लोग इस तस्वीर को देखकर ममता की व्याख्या कर रहे हैं कि मौत भी ममता पर भारी नहीं पड़ पाई। तस्वीर देखकर समझा जा सकता है कि मां ने अपने बच्चे को और खुद को बचाने के लिए आखिरी सांस तक कितना संघर्ष किया होगा। ऐसी कई दर्दनाक कहानियां इस हादसे के बाद कहने–सुनाने के लिए बच गई हैं। किसी परिवार में एक साथ तीन अर्थियां उठीं, तो किसी बेटी ने आंखों के सामने अपनी मां को बहते देखा। कोई परिवार दूसरे शहर से घूमने आया था, और अब लौटा ही नहीं। हादसे से ठीक पहले के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि तेज बहती हवाओं और ऊंची उठती लहरों का आनंद लोग ले रहे हैं, सेल्फी खींच रहे हैं, संगीत पर थिरक रहे हैं। फिर पल भर में सारा मंजर बदल गया। दार्शनिक अंदाज में भी इस घटना की व्याख्या हो रही है कि देखो जीवन क्षणभंगुर है, एक क्षण में हँसते–खेलते लोग मौत के मुंह में समा गए। लेकिन यहां सवाल उठना चाहिए कि क्या भूकंप या सुनामी जैसी कोई आपदा आई थी, जिस पर इंसान का कोई बस नहीं है, या इतने सारे लोग एक साथ अकाल मौत नहीं मरते अगर नियमों का कड़ाई से पालन किया जाता। ध्यान रहे कि गुरुवार शाम करीब 4.30 बजे ये हादसा हुआ। जबकि मौसम विभाग ने एक दिन पहले ही चेतावनी दी थी कि इलाके में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं चल सकती हैं। तो इसके बावजूद क्रूज संचालन की अनुमति क्यों दी गई। बताया जा रहा है कि क्रूज करीब 90 लोगों की क्षमता वाला था, लेकिन उस समय इसमें लगभग 40 यात्री सवार थे। लेकिन फिर भी यह दुर्घटना हुई, क्योंकि कई यात्री तेज हवाओं के बीच ऊपर वाले डेक पर चले गए, क्योंकि वहां खुली जगह थी। लेकिन इससे संतुलन बिगड़ गया। वजन ऊपर की तरफ बढ़ने से नाव एक तरफ झुकने लगी और लगातार हिलने लगी। घबराए हुए लोग एक तरफ से दूसरी तरफ भागने लगे, जिससे स्थिति और खराब हो गई। इसी कारण पानी नाव के निचले हिस्से में भरने लगा। जो लोग नीचे डेक पर थे या नीचे लौटे थे, वे वहीं फंस गए। यानी यह दुर्घटना टाली जा सकती थी, अगर क्रूज संचालकों ने पहले से सावधानी बरती होती। अगर एक साथ बहुत सारे लोगों को ऊपर नहीं जाने दिया जाता या जब निचले हिस्से में पानी भरने लगा, तब लोगों को नीचे लौटने से रोक कर फौरन बचाव के इंतजाम किए जाते तो शायद पर्यटकों को डूबने से बचाया जा सकता था। एक वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि जब क्रूज पर पानी भरने लगा तो लाइफ जैकेट थैलों में से निकाले जा रहे थे। कायदे से क्रूज पर चढ़ते ही यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया जाना चाहिए। अगर कोई यात्री मना करे तो उसे फौरन उतार दिया जाए। आखिर यह सख्ती उनकी अपनी जान की सुरक्षा के लिए है। लेकिन इसमें भी क्रूज संचालकों की लापरवाही दिखी कि उन्होंने आग लगने पर कुआं खोदने वाला काम किया, जब डूबने की नौबत आई तो लाइफ जैकेट बांटे गए, जिस कारण कई यात्री बच नहीं पाए। इसमें काफी हद तक भारतीय समाज का लापरवाह रवैया भी झलकता है, जो सावधानी के लिए उठाए गए कदमों की अवहेलना कर खुश होता है। चाहे दोपहिया वाहनों पर बैठने के दौरान हेलमेट पहनना हो या कार में बैठकर सीट बेल्ट लगाना हो, जब तक मजबूरी न हो अधिकतर लोग ऐसा नहीं करते हैं। हवाई यात्रा में भी कई बार विमान परिचारिका को टोकना पड़ता है कि कुर्सी की पेटी बांधे या मोबाइल फोन बंद करें, तब जाकर कुछ यात्री सुनते हैं। नियम तोड़ने के लिए ही बनते हैं, न जाने ऐसी धारणा समाज में क्यों फैलाई गई है जिसके कारण नियम का पालन करने वालों का अक्सर मजाक भी उड़ाया जाता है। जबकि कानून–नियम आखिर में लोगों के लाभ के लिए ही बनते हैं। लोगों को सैर–सपाटा, मनोरंजन सब विदेशों की तरह चाहिए, लेकिन वहां लोग नियम का पालन एकदम अनुशासन में करते हैं, यह बात भी भारतीय समाज को देखनी चाहिए। बरगी बांध पर क्रूज पर बैठने वालों ने अगर पहले से लाइफ जैकेट मांगे होते तो शायद एक बड़ा हादसा टल सकता था। बहरहाल अब हादसे के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए क्रूज पायलट, एक सहायक और टिकट काउंटर प्रभारी की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। वहीं, सरकारी मैकाल रिसॉर्ट और बोट क्लब के मैनेजर को भी लापरवाही के कारण निलंबित कर दिया और क्षेत्रीय प्रबंधक को मुख्यालय अटैच किया गया है। इस पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है।

निर्वाचन आयोग के बुनियादी उद्देश्य और जन अपेक्षाएं

नीतीश कुमार सिंह

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों के अंतर्गत पिछले माह संपन्न हुए मतदान के बाद उसके परिणाम सोमवार को घोषित हो रहे हैं। इस दौरान निर्वाचन आयोग विभिन्न कारणों से चर्चा के केंद्र में बना रहा। एक खालिस संवैधानिक निकाय निर्वाचन आयोग निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के साथ ही मतदाताओं से बिना किसी डर, भय और पक्षपात के उनके मताधिकार का प्रयोग कराता है। ऐसे में कई चुनावी राज्यों में बढ़े मत प्रतिशत सुरक्षित और हरेक समुदाय के मतदाताओं के जनतंत्र के प्रति विश्वास को जाहिर करता है। फिर भी कई सवाल इसके निर्माण काल से लेकर अब तक उठते रहे हैं। चुनाव–दर–चुनाव दुनिया की निगाहें विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र– भारत पर हैं। इसके पीछे की ताकत यहां की जनता ही है, जो केंद्र और राज्यों में सरकारों के बनने का मार्ग प्रशस्त करती है। इनके साथ देश में लोकतंत्र की बहाली के लिए एक शनिर्वाचन आयोगश पूरे समय काम करता है। आजादी के बाद से ही इस संवैधानिक संस्था को लेकर मंथन शुरू हो गया था। इसकी सबसे कड़ी कसौटी यह रही कि कार्यपालिका के किसी हस्तक्षेप के बिना यह संस्था काम करे और करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि संस्था साबित हो। देश में जब पहली बार साल 1949–1950 में निर्वाचन संबंधी नियमावली का निर्माण हो रहा था, तब निर्वाचन से संबंधित कई सवाल उठे थे। यद्यपि निर्वाचन आयोग स्वयं उस दौरान निर्माण प्रक्रिया से गुजर रहा था। मसौदा समिति और केंद्रीय सरकार के सामने एक मसला आया था। उसमें प्रमुख सवाल था कि उस दौरान कुछ प्रांतों में कार्यपालिका यानी सरकार ने कुछ लोगों को जिनका मूल वंश, भाषा और संस्कृति वहां के बहुसंख्यक लोगों से भिन्न है, उनको निर्वाचन नियमावली में स्थान नहीं दे रहे हैं। इस पर डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था–मैं आशा करता हूं कि यह सभा समझती है कि मताधिकार ही जनतंत्र का आधार स्तंभ है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वयस्क मताधिकार के रूप में सर्वोच्च नामावली (मतदाता सूची) में स्थान दिया जा सकता है। यदि स्थानीय सरकार विद्वेष के कारण या किसी पदाधिकारी की सनक के कारण इस अधिकार से इन्हें वंचित करती है, तो लोकतंत्र के मूल पर ही आघात होगा।श इस तरह के सवाल आज भी उठते हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान सभा ने चुनावी प्रक्रिया में कार्यपालिका के हस्तक्षेप को लेकर पुरजोर परहेज किया। सभा के सदस्यों ने बार–बार जोर देकर अपने वक्तव्यों में कहा कि चुनाव आयोग कार्यपालिका से मुक्त एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त स्थायी होगा और उसकी नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा। साथ ही कार्यपालिका स्वेच्छा से मुख्य चुनाव आयुक्त के पद व प्रतिष्ठा को विघटित न कर सके, इसका भी पूरा ख्याल रखा गया। उन्हें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के बराबर दर्जा दिया गया। उस समय एक ही मुख्य चुनाव आयुक्त रखा गया था, लेकिन संशोधनों के बाद वर्तमान में तीन सदस्यीय चुनाव आयोग कार्य करता है जिनमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त होता है। वहीं संविधान की बहसों पर गौर करें तो पहले–पहल विचार आया था कि केंद्रीय विधान मंडल यानी संसद के लोकसभा और राज्यसभा सरीखी दोनों सभाओं के निर्वाचन के लिए एक आयोग हो और राज्य के लिए पृथक। इसे राज्यपाल या राज्य का प्रमुख नियुक्त करे। इस पर काफी बहस के बाद इस विचार को खारिज कर दिया गया। आगे चलकर संविधान सभा ने निर्वाचन के लिए एक ही आयोग बनाया और इसी विचार को आगे बढ़ाया गया। तय हुआ कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग के अधीक्षण और नियंत्रण के साथ ही राज्यों के निर्वाचन आयोग कार्य करेंगे। इस बारे में के एम मुंशी का तर्क था कि, 1833 से 1935 तक के भारत सरकार अधिनियम के प्रावधान ने केंद्रीय सत्ता को मजबूती प्रदान की, जिसके कारण भारत एकजुट रहा। चुनाव आयोग भी एक केंद्रीय निकाय के तौर पर देश में कारगर साबित होगा।य उनका मानना था कि प्रांतीय स्तर पर विभिन्न विषयों के बीच केंद्रीय चुनाव आयोग की आवश्यकता है। गौरतलब है कि संविधान निर्माताओं ने संविधान सभा के बैठने के छह महीने के भीतर ही चुनाव और उससे संबंधित विषयों की चर्चा शुरू कर दी थी। निर्वाचन आयोग का विचार साल 1947 के शुरू में ही स्वीकार कर लिया गया था। उसी साल के जनवरी–फरवरी के महीने में तब तक देश के विभाजन का सवाल निश्चित नहीं हुआ था– मूल अधिकार समिति ने यह विचार रखा था और परामर्शदात्री समिति ने इसे स्वीकार किया था। इसी क्रम में 15 जून, 1949 को डॉ. आंबेडकर ने चुनाव आयोग से संबंधित एक प्रस्ताव रखा, जिसमें पांच प्रमुख बिंदु थे– मतदाता सूची, निर्वाचन आयोग का गठन, राज्यों में चुनाव आयुक्त, निर्वाचन आयुक्तों की सेवा शर्त और निर्वाचन आयोग को कार्य निष्पादन के लिए कर्मचारी। जो आज भी चुनाव आयोग के मूल आधार हैं। यह मौलिक सोच धीरे–धीरे उपजी और संविधान की किताब में भाग–15 के अनुच्छेद 324 से लेकर 329 तक में दर्ज है। यह विचार कनाडा के 1920 के निर्वाचन अधिनियम से प्रेरित है। इस पर बहस और संशोधनों के बाद संविधान सभा के सदस्यों ने इसे स्वीकार किया था। इस बहस में प्रस्तावक आंबेडकर को करीब दो दर्जन बार विभिन्न सवालों के जवाब देने पड़े थे और उन्होंने लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात रखी थी। आजादी के बाद देश में चुनाव आयुक्तों की लंबी फेहरिस्त है। इसमें खास तौर पर 10वें मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन को फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड, आदर्श आचार संहिता, खर्च की सीमा, बूथ कैप्चरिंग, बाहुबल व भ्रष्टाचार आदि पर लगाम कसने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने संविधान के मूल विचारों से प्रेरित होकर इस संवैधानिक संस्था का इकबाल कायम किया था। ऐसे में चुनाव आयोग के नींव में पत्थर टटोलने भर की जरूरत है और बुलंद भारत की इमारत बनते देर नहीं लगेगी।

लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा है बंगाल के नतीजे

शकील अख्तर

किसी बड़े पहलवान को हराने के लिए बड़ी तादाद में लोगों को इकट्ठा करके ले जाया जाता था। और मुकाबला शुरू होते ही लोग अचानक अखाड़े में घुसकर जीत गया जीत गया के नारे लगाते हुए अपने पहलवान को कंधे पर उठा लेते थे! चार मई सोमवार को यही कोशिशें हैं! चुनाव केवल बंगाल का है मगर पूरे देश निगाहें इस बात पर लगीं हैं कि क्या नतीजे वही आएंगे जो मतदाताओं ने वोटिंग मशीन में डाले हैं या जीत गए जीत गए का शोर करके देश के लोकतंत्र में आखिरी कील ठोक दी जाएगी? जिस तरह माहौल बनाया जा रहा है उससे बहुत आशंकाएं हो गई हैं। सुप्रीम कोर्ट कह रहा है कि केन्द्र सरकार के कर्मचारी गिनती कर सकते हैं। शुक्र है यह नहीं कहा कि जो लाखों केन्द्रीय सुरक्षा बल वहां भेजे गए हैं वे भी गिनती कर सकते हैं। एग्जिट पोल के माध्यम से पहले ही यह माहौल बना दिया है कि भाजपा जीत रही है। गोदी मीडिया उसको और फैला रहा है। ऐसा माहौल बना दिया है कि अगर लोकतंत्र के ताबूत में आखिरी कील ठोकना तय ही कर लिया है तो भाजपा की जीत पर किसी को आश्चर्य न हो। इसे स्वाभाविक मान लिया जाए। मगर इसके बावजूद अगर वह फूल खिल कर रहेंगे जो खिलने वाले हैं हो गया तो यह लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत माना जाएगा। और बंगाल की जनता को इसका पूरा श्रेय होगा। यह साहिर लुधियानवी का शेर है। प्रगतिशील शायर, फिल्मों में उनके लिखे गीतों से बहुत लोकप्रिय भी हैं। हजार बर्क गिरे, लाख आंधियां उन्हें

वो फूल खिल कर रहेंगे जो खिलने वाले हैं ! बर्क मतलब बिजलियां। बहुत आशावाद का शेर है। और अपने लोकतंत्र के लिए ऐसी आशा सब कर भी रहे हैं। उम्मीद है जनता की जीत होगी। उसने जो अपने वोट के जरिए कहा है वही चार मई को मतगणना केन्द्रों से सामने आएगा। वह नहीं जो एग्जिट पोल के जरिए प्रचार किया गया है। हर बार की तरह एग्जिट पोल गलत साबित होंगे। चुनाव आयोग एग्जिट पोल को सही साबित करने की कोशिश नहीं करेगा, बल्कि मतदाताओं के वोट को सही रूप से पेश करेगा। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है। पांच राज्यों में चुनाव हुए। सबकी मतगणना हो रही है। मगर चिंता केवल बंगाल की। और दरअसल यह बंगाल की चिंता नहीं है यह चिंता देश के लोकतंत्र की है। अगर चुनाव आयोग को अपने मनचाहे नतीजे ही घोषित करना हैं तो फिर चुनाव की सारी प्रक्रियाओं की क्या जरूरत? चुनाव आयोग को सीधे नतीजे ही घोषित करना चाहिए। जब दो चार दबंग गांव मिलकर इस तरह जीत गया जीत गया के शोर में अपना पहलवान जिता लेते हैं तो फिर वहां दंगल लड़ने ही कोई नहीं जाता। खुद ही फलाना क्षेत्र केसरी की घोषणा करते रहते हैं। और एक दिन उन गांवों से पहलवानी ही खतम हो जाती है। लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा है बंगाल चुनाव। अगर मनमानी की तो बहुत गंभीर परिणाम होंगे। हरियाणा की जनता ने पता नहीं कैसे स्वीकार कर लिए? शायद वहां कांग्रेस की आपसी लड़ाई से उसे लगा कि यह लोग इसी काबिल थे। महाराष्ट्र में विपक्ष में बहुत सारे दल थे। किसी एक दल का जनता पर असर नहीं था। वहां भी जीत गए जीत गए चल गया। बिहार में भी ऐसा ही हुआ। कांग्रेस तो कमजोर थी ही, तेजस्वी भी कोई विशेष प्रभाव नहीं डाल पाए। यह सब चुनाव आयोग को ढाल मिल गई। कर्नाटक लोकसभा चुनावों से लेकर इन सब राज्यों की विधानसभाओं में चुनाव आयोग ने बहुत बड़े पैमाने में गड़बड़ियां कीं। मगर विपक्ष भी उस तरह नहीं लड़ पाया जैसे इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसे लड़ना था। वह भी पहले से ऐसे बहाने की भाषा बोल रहा था कि चुनाव आयोग जीतने तो देगा नहीं! मगर बंगाल में स्थितियां बिल्कुल अलग हैं।

सीमा वर्णिका की कलम से 'निर्णय'

पिछले कई महीनों से बच्चे वसीयत करने की ज़िद्द लिए कपूर साहब के पीछे पड़े थे वह रोज एक ही रट लगाए थे अभी आप स्वस्थ हो चल फिर पा रहें हैं अपने होश–ओ–हवास में जायदाद के हिस्से कर दें। जिससे बाद में कोई विवाद न हो। आख़रिकार कपूर साहब ने अपने वकील से मशवरा किया। बड़ी देर तक सभी बिन्दुओं पर चर्चा करने के बाद वसीयत के कागजात तैयार हुए। कपूर साहब ने सब कुछ बहुत गोपनीय रखा था।

लड़कों के दिमाग में उथल–पुथल चल रही थी कि पता नहीं पिता जी किसको कितना और क्या देंगे। अभी तक सब ठीक चल रहा था। संयुक्त परिवार था। बहुएँ मिलजुल कर काम करतीं। सब पिता जी ध्यान रखते थे।

पिताजी की तनख्वाह से घर के लगभग सारे खर्चे हो रहे थे। सभी बिलों का पेमेंट भी पिता जी कर रहे थे। चारों बेटे अच्छी अच्छी जगह नौकरी में थे और अपनी तनख़्वाह अपने बच्चों व परिवार पर खर्च करते बाक़ी जोड़ते। पिता जी सारी जिम्मेदारी ओढ़े थे तो सब बेफिक्र थे।

दो महीने पहले कपूर साहब चालीस वर्ष सेवाएँ देने के बाद रिटायर हो गए थे। रिटायरमेंट के बाद कुछ दिक्कत आने के कारण दो महीने बीत गए कपूर साहब की पेंशन शुरू नहीं हो पायी थी। तो कपूर साहब ने कह दिया कि तुम लोग मिल जुल कर कुछ दिनों घर देखो जब तक यह पेंशन का मसला सुलझता नहीं है। लेकिन धीरे–धीरे घर की व्यवस्था चरमराने लगी कोई यह जिम्मेदारी ठीक से लेना ही नहीं चाहता था।

वसीयत लिखी जा चुकी है इस बात को जानने के बाद बेटों बहुओं के दिलों में कुलबुलाहट तो थी साथ ही सबको पता था जो मिलना है वह तय हो चुका है। अब सबको पिता जी के प्रति दायित्व निभाना भार लगने लगा। घर में चीख़ा चिल्ली होने लगी। धीरे–धीरे पिता जी सबकी आँख की किरकिरी बन गए।

कपूर साहब को सब समझ आ रहा था वह अपना भविष्य स्पष्ट देख पा रहे थे। असल में उन्होंने वसीयत को रजिस्टर्ड करने से पहले बेटों बहुओं को परखना बेहतर समझा। पेंशन न मिलना भी उस योजना का हिस्सा था। वह खूब सोच समझ कर चुपचाप वकील साहब के पास गए और वसीयत फिर से तैयार करायी।

घर में सब आज इकट्ठा हुए थे सबको बड़ी जिज्ञासा थी कि पिता जी क्या कहने वाले हैं? कपूर साहब ने फंड से मिली धनराशि के पाँच भाग किए। एक भाग अपने पास रखा और चार बेटों को दे दिए। सब बड़े खुश थे पैसा किसको खलता है। अगले ही पल सबके रंग उड़ गए जब पिता जी ने कहा कि चारो एक महीने के अंदर अपने अपने घर की व्यवस्था कर लें और इस घर को ओल्ड ऐज आशियाना संस्था के नाम पर रजिस्टर्ड कर दिया गया है जहाँ उनके जैसे तमाम लोग रहेंगे।

बेटों के चेहरे गुस्से से तमतमा रहे थे। वह बड़बड़ा रहे थे बुड्ढा पागल हो गया है अपने घर वालों को छोड़ दुनिया को घर में रखेगा। इधर कपूर साहब को संतोष था कि उन्होंने सही निर्णय लिया है अच्छा हुआ समय से होश में आ गए।।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

एग्जिट पोलः राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के अनुसार मत न बनाएं

अवधेश कुमार

भारत में ओपिनियन पोल यानी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण हो या एग्जिट पोल अर्थात मतदान के बाद का सर्वेक्षण, ऐसा कोई वर्ष नहीं, जब इस पर जबरदस्त विवाद तथा तू–तू, मैं–मैं न होती हो। जिसके पराजित होने की संभावना व्यक्त होती है वह इसका विरोध करता है। हालांकि विरोध सामान्य हो या तथ्यों के आधार पर प्रश्न उठाया जाए या कोई तार्किक आपत्ति हो तो समस्या नहीं। किंतु पिछले कुछ वर्षों से ऐसी सभी एजेंसियों और संस्थाओं को भाजपा द्वारा या सरकार द्वारा प्रायोजित बता कर उसकी साख को भी समाप्त करने का अभियान चलता है। पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल पर तृणमूल कांग्रेस की प्रतिक्रियाएं देख लीजिए। हालांकि इनमें भी ज्यादातर एजेंसियों ने तृणमूल और भाजपा के मतों एवं सीटों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखाया। हां, ज्यादातर में भाजपा की विजय की प्रवृत्ति अवश्य दर्शाई गई है। इनमें अंतर इतने महीन हैं कि इन एग्जिट पोलों के आधार पर भी आप निश्चयात्मक नहीं मान सकते कि हां यही परिणाम आएगा। केवल एक एजेंसी टुडेज चाणक्य ने भाजपा को तृणमूल से मतों एवं सीटों दोनों में काफी आगे बताया है। तृणमूल कांग्रेस की शीर्ष नेत्री ममता बनर्जी से लेकर अभिषेक बनर्जी, उनके मंत्री, सांसद और यहां तक कि टी.वी. पर बैठने वाले प्रवक्ता व पैनलिस्ट एजेंसियों और चौनलों पर हमले कर रहे हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों तथा कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना, मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। ऐसा सच नहीं। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतनी ही आ सकती हैं या आनी चाहिएं। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रैंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एग्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। 2024 लोकसभा चुनाव परिणाम में एग्जिट पोलों के द्वारा दिए गए आंकड़ों से परिणाम भिन्न आए। आवाज यहां तक उठी कि एग्जिट पोल को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। लोकसभा चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश और ओडिशा के ज्यादातर एग्जिट पोल लगभग सही साबित हुए। आंध्र में तेलुगू देशम के नेतृत्व में राजग तथा ओडिशा में भाजपा के लिए बहुमत का आंकड़ा दिया गया था और परिणाम वही आया। अधिकतर एग्जिट पोल 2024 लोकसभा चुनाव में मुख्यतरू 3 राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में विफल साबित हुए। अन्य राज्यों के आंकड़े देखें तो उन्हें आप विफल नहीं कर सकते। 2014, 2019 लोकसभा चुनावों में एग्जिट पोल और परिणाम की दिशा एक रही। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल वर्तमान चुनाव प्रणाली में मतदाताओं की मनरूस्थिति समझने का एक माध्यम है। ओपिनियन पोल में आप अलग–अलग क्षेत्र में जाते हैं, लोगों से बातें करते हैं और गणना करते हुए निष्कर्ष निकालते हैं। मुद्दों, उम्मीदवारों, नेताओं, उनके कार्यों, विकास आदि इतने प्रश्न होते हैं कि उनसे काफी कुछ धारातली वास्तविकता समझी जा सकती है। तब भी ओपिनियन पोल परिणाम चुनाव परिणाम की प्रवृत्ति से अलग हो सकते हैं। कारण, ये मतदान पूर्व होते हैं और चुनाव अभियानों से लेकर मतदान तक लोगों का मन बदल सकता है। किंतु एग्जिट पोल मतदान कर निकल रहे मतदाताओं के मत होते हैं। साफ है, इससे भावी परिणाम का ट्रैंड यानी दिशा का साफ पता चलना चाहिए। अगर नहीं, तो यह गंभीर पुनर्मंथन का विषय होना चाहिए। सर्वेक्षण में पारदर्शिता भी होनी चाहिए। पारदर्शिता का अर्थ है कि आपके सैंपल साइज यानी कितने लोगों से अपने मत पूछा और उनमें किन–किन क्षेत्रों से और किस श्रेणी के लोग थे। आपके सर्वेक्षण करने का तरीका क्या था आदि। पहले मतदान केंद्र के बाहर ही एजेंसियां अपना छाया मतदान पेटी लगाती थीं, जिसमें निकलने वाले लोग मत डालते थे। बाद में लैपटॉप और टैब से यह काम किया जाने लगा। जहां लैपटॉप टैब नहीं लगा सकते, वहां मतदान कर निकलने वालों से पूछ कर नोट किया जाता है या ऑडियो–विजुअल टेप रहता है। अगर ईमानदारी और पेशेवर तरीके से एग्जिट पोल हो तथा उनमें आए तथ्यों का आंकड़ों में ठीक से आकलन जाए तो परिणाम की दिशा अवश्य सामने आ जाएगी। मतदान प्रतिशत के बाद उन्हें सीटों में प्रेषित करना सबसे कठिन काम है।

रचना सक्सेना के गीत

षडयन्त्रों का खड्ग उठाकर, कभी नहीं छलना।
चाहे कंटक मिले राह में, पड़े धूप जलना।।

आँख खुली ममता का आँचल, आस कली खिलती।।
संस्कारों का स्वच्छ धरातल, सीख यही मिलती।
मानवता का तिलक लगाकर, माँ कहती चलना।
षडयन्त्रों का खड्ग उठाकर, कभी नहीं छलना।।

जीवन के रेतीले पथ पर, पग-पग जब बढ़ते।
चले स्वप्न सिंदूरी लेकर, राह लक्ष्य गढ़ते।।
अंतर्मन यह कहता मुझसे, भले पड़े जलना।
षड्यंत्रों का खड्ग उठाकर, कभी नहीं छलना ।।

पग से काँटे चुनते - चुनते, पल - पल का थकना।
दिखा एक दिन हुआ सवेरा, अब फल का पकना।।
जगी आस की एक किरण अब,हरियाली फलना।
षड्यंत्रों का खड्ग उठाकर, कभी नहीं छलना ।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

52 की उम्र में मलाइका फिर खो बैठीं हैं अपना दिल, मिस्ट्री मैन संग हाथों में हाथ डाल खींचा सबका ध्यान

अक्सर अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी लव लाइफ की वजह से काफी सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में फिर से कुछ ऐसा हुआ है कि सबका ध्यान फिर से डंसंपां की तरफ चला गया है। बीते दिनों अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप को लेकर मलाइका काफी चर्चा में थी और अब अर्जुन से ब्रेकअप के बाद वो फिर से सुर्खियों में आ गईं। हाल ही में मलाइका की एक वीडियो काफी वायरल हो रही है, जिसमें वो एक मिस्ट्री मैन का हाथ थामे नजर आ रही हैं। इस वीडियो में एक व्यक्ति जिसकी अब तक पहचान नहीं हुई है वो मलाइका का हाथ पकड़ कर उन्हें भीड़ से बचाता हुआ बाहर लेकर जा रहा है। इस वीडियो के बाद से ही उनके फैंस ये जानने के लिए काफी उत्सुक हैं कि क्या मलाइका फिर से किसी के प्यार में हैं? मलाइका की लव लाइफ किसी बॉलीवुड स्टोरी से कम नहीं है। अरबाज खान से शादी करने के बाद उनका एक बेटा हुआ और उसके बाद उन्होंने 2017 में तलाक ले लिया। इसके बाद मलाइका अर्जुन कपूर के साथ रिश्ते में आ गई थीं, उनका यह रिलेशन काफी साल चला और अब फिर से वो अलग हो गए हैं। अब फिर से इस वीडियो के बाद मलाइका की लव लाइफ में एंट्री होती हुई नजर आ रही हैं।

> “ इस वीडियो के बाद से ही उनके फैंस ये जानने के लिए काफी उत्सुक हैं कि क्या मलाइका फिर से किसी के प्यार में हैं? मलाइका की लव लाइफ किसी बॉलीवुड स्टोरी से कम नहीं है।

मेट गाला के रेड कार्पेट पर प्रियंका, दीपिका और आलिया भी नजर आईं! तस्वीरें देखकर खा गए न धोखा ?

फैशन की दुनिया के सबसे बड़े इवेंट मेट गाला का आयोजन हो चुका है। हर बार की तरह इस बार भी दुनिया भर के तमाम दिग्गज सेलेब्स इस इवेंट का हिस्सा बने। हालांकि, भारत की तरफ से इस बार करण जौहर–मनीष मल्होत्रा, ईशा अंबानी और अनन्या बिरला ही इवेंट में नजर आईं। लेकिन सोशल मीडिया पर दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट की मेट गाला की रेड कार्पेट से तस्वीरें वायरल हो रही हैं। जानिए क्या है इन तस्वीरों की सच्चाई और क्या सच में दीपिका, प्रियंका और आलिया बनीं इस इवेंट का हिस्सा? सोशल मीडिया पर आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण की मेट गाला 2026 से तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इन तीनों ही कलाकारों के मेट गाला 2026 में पहुंचने की चर्चाएं भी थीं। लेकिन अंत में ये तीनों एक्ट्रेस इवेंट में शामिल नहीं हुईं। अब दीपिका, प्रियंका और आलिया की एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। आलिया भट्ट की मेट गाला 2026 से एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीर वायरल हो रही है। इस तस्वीर में आलिया वाइन–एम्बेलिश्ड पन्ना हरा गाउन पहने नजर आ रही हैं। फैंस ने इस लुक की तुलना श्गार्लिक ब्रेडश से की, जबकि कई इसे फेयरी–टेल मैजिक मान रहे हैं। इस एआई जेनरेटेड फोटो में आलिया कैमरा की तरफ पोज देते हुए हाथ हिला रही हैं। प्रियंका चोपड़ा की एआई द्वारा तैयार की गई जो तस्वीर वायरल हो रही है, उसमें उन्हें एक बेहद ग्लैमरस और ड्रामेटिक थाई स्लिट गाउन पहने दिखाया गया है। ये मेट गाला की थीम 'फैशन इज आर्ट' से प्रेरित लगता है। इस एआई फोटो में वो एक बोल्ड, आधुनिक और रॉयल लुक में नजर आ रही हैं। जिसमें उनके बाल और मेकअप को बहुत ध्यान से श्फ्यूचरिस्टिकश लुक दिया गया है। एआई फोटो में प्रियंका मेट गाला के रेड कार्पेट पर पोज देती नजर आ रही हैं। प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट की तरह दीपिका पादुकोण के भी मेट गाला 2026 में शामिल होने की चर्चाएं थीं, लेकिन वो भी शामिल नहीं हुईं। हालांकि, दीपिका की भी एआई जेनरेटेड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन एआई फोटो में उन्हें हरे और काले रंग के काफ्तान गाउन में एक हाई–प्रोफाइल प्री–मेट गाला डिनर में पोज करते हुए दिखाया गया। तस्वीरों में दीपिका बेहद सजी–धजी नजर आ रही हैं, जो प्री–मेट गाला डिनर के दौरान की बताई जा रही हैं। हालांकि, ये एआई द्वारा तैयार की गई हैं। असल में दीपिका मेट गाला में शामिल नहीं हुईं।

शानदार या बकवास? जानिए क्रिस्टोफर नोलन की 'द ओडिसी' का ट्रेलर देखकर नेटिजंस ने दी कैसी प्रतिक्रिया?

क्रिस्टोफर नोलन की बहुप्रतीक्षित फिल्म द ओडिसी का नया ट्रेलर आज रिलीज किया गया है। इसमें कई किरदारों की पहली झलक, जबरदस्त लड़ाइयां और पौराणिक कहानी देखने को मिलती है। ट्रेलर से फिल्म की कहानी का भी पता चलता है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर वायरल है और लोगों का ध्यान भी खींच रहा है। ट्रेलर देखने के बाद नेटिजंस इस पर अपनी अलग–अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। 'द ओडिसी' के ट्रेलर को फैंस का मिला–जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है। कई यूजर्स ट्रेलर में पैटिंसन के किरदार एंटिनस के डायलॉग्स को लेकर इसकी आलोचना कर रहे हैं। पैटिंसन का किरदार एंटिनस टेलेमाकस से कहता है, 'तुम एक ऐसे पिता के लिए तड़प रहे हो, जिसे तुम जानते भी नहीं थे।' हॉलैंड के टेलेमाकस का एक और डायलॉग है, 'मेरे डैडी घर आ रहे हैं।' इन डायलॉग्स ने न केवल लोगों को चौंकाया है, बल्कि कई फैंस ने कड़ी आलोचना भी की है।

एक यूजर ने लिखा, 'द ओडिसी का नया ट्रेलर बेहद शानदार लग रहा है। क्रिस्टोफर नोलन ने कोई कसर नहीं छोड़ी है और वे विजुअल्स के उस्ताद हैं। मुझे बस टॉम हॉलैंड के किरदार का यह कहना खटक रहा है, 'मेरे पिता घर आ रहे हैं।' अरे स्पाइडी, ये तो एक ऐतिहासिक फिल्म है।' एक अन्य नेटिजन ने कहा, 'क्या किसी और को भी लगता है कि द ओडिसी के ट्रेलर में डायलॉग बेतुके हैं? कुछ किरदार शेक्सपियर के लहजे में बात कर रहे हैं, वहीं दूसरा कहता है, मेरे डैडी लौटेंगे, जो बिल्कुल अटपटा लगता है।'

एक फैन ने कहा, 'मैंने नोलन की द ओडिसी पर अभी तक कोई राय नहीं बनाई थी क्योंकि मुझे अब तक इसके सीन काफी पसंद आए थे, लेकिन टॉम हॉलैंड को मेरे पिताजी घर आ रहे हैं कहते हुए सुनकर मेरा सारा ध्यान भटक गया। पता नहीं मैं इससे उबर पाऊंगा या नहीं।'

कुछ प्रतिक्रियाओं में भाषा के ऐतिहासिक लहजे पर भी सवाल उठाए गए। एक पोस्ट में लिखा, 'लेट ब्रॉन्ज युग में 'डैडी'? माइसीनियन ग्रीस में तो टिकटॉक वाले संवाद नहीं होते थे। लेकिन नोलन की ओडिसी शायद कुछ लोगों को इस बात पर यकीन दिला दे।' एक अन्य ने कहा, 'यह दिलचस्प है कि नोलन फादर की जगह डैडी और डैड का इस्तेमाल कर रहे हैं।'

आलोचनाओं के बावजूद कई दर्शकों ने फिल्म के ग्रैंड विजन को सराहा है। एक यूजर ने लिखा, 'ओडिसी के डायलॉग थोड़े हास्यास्पद हैं और टॉम हॉलैंड द्वारा टेलीमाकस को डैडी कहना मुझे बहुत परेशान करता है, लेकिन फिल्म इतनी शानदार दिखती है कि मैं नाराज नहीं हो सकता। प्राचीन ग्रीक महाकाव्य पर आधारित यह फिल्म क्रिस्टोफर नोलन की इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म में मैट डेमन, टॉम हॉलैंड, ऐनी हैथवे, रॉबर्ट पैटिन्सन, लुपिता न्योंगो, जेंडाया और चार्लीज थेरॉन सहित कई जाने–माने कलाकार नजर आए हैं। 'द ओडिसी' 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

अभिनेत्री लीना मारिया को बड़ी राहत, दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अभिनेत्री लीना मारिया को एक बड़े धन शोधन मामले में जमानत दे दी है। यह मामला 200 करोड़ रुपये के धन शोधन से संबंधित है। हालांकि, मकोका मामले में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। लीना मारिया अपने पति सुकेश चंद्रशेखर के साथ इन मामलों में आरोपी हैं। हाईकोर्ट ने धन शोधन मामले में उनकी भूमिका और सबूतों पर विचार किया। अदालत ने कुछ शर्तों के साथ उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। यह फैसला अभिनेत्री के लिए एक बड़ी राहत माना जा रहा है। मकोका मामले में अदालत ने उनकी जमानत याचिका को स्वीकार नहीं किया। इस मामले में उन पर गंभीर आरोप लगे हुए हैं। सुकेश चंद्रशेखर भी कई आपराधिक मामलों में आरोपी हैं। इन दोनों पर कई वित्तीय धोखाध ड़ी के आरोप हैं। जांच एजेंसियां इन मामलों की गहराई से पड़ताल कर रही हैं। अदालत ने दोनों मामलों की गंभीरता को ध्यान में रखा। पिछली सुनवाई के दौरान लीना की ओर से अदालत में यह दलील दी गई थी कि उनके और सुकेश चंद्रशेखर के संबंध अब सामान्य नहीं हैं और दोनों के बीच रिश्ते ठीक नहीं चल रहे हैं। बचाव पक्ष ने यह भी कहा था कि सुकेश का किसी अन्य महिला के साथ संबंध है। जब अदालत ने इस महिला की पहचान के बारे में पूछा, तो लीना की ओर से पेश वकील ने फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस का नाम लिया था, जिससे मामला और अधिक सुर्खियों में आ गया था। गौरतलब है कि इस हाई–प्रोफाइल मामले में लीना मारिया को सितंबर 2021 में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने गिरफ्तार किया था। बाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में उन्हें गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, सुकेश चंद्रशेखर द्वारा कथित रूप से किए गए 200 करोड़ रुपए के ठगी में लीना की भूमिका की भी जांच की। गौरतलब है कि सुकेश चंद्रशेखर पर 200 करोड़ रुपए की धोखाध ड़ी का आरोप है और यह मामला पहले से ही काफी चर्चा में रहा है। यह मामला साल 2021 में उस वक्त सामने आया जब तिहाड़ जेल से ही एक बड़े घोटाले को अंजाम देने वाले ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज हुआ। आरोप है कि 200 करोड़ रुपए की ठगी की गई। बाद में, पता चला कि सुकेश ने इस रकम का इस्तेमाल कई हस्तियों को महंगे तोहफे देने में भी किया था, जिनमें जैकलीन फर्नांडीज का नाम प्रमुखता से सामने आया। जानकारी के मुताबिक, जैकलीन को सुकेश की ओर से कई महंगे गिफ्ट्स मिले थे, जिनकी कीमत करोड़ों में थी।

एक्ट्रेस का इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई पर खुलासा, कहा– 'किसिंग सीन'

'अनवर' फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैंस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए। 4 मई को नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्किनकेयर करते हुए नजर आईं और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, 'आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?' इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं। नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकंफर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।' उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा।

टूटते बालों से हैं परेशान? ट्राई करें शाहनाज हुसैन के ये अचूक घरेलू नुस्खे

बालों की देखभाल में हम अक्सर कंफ्यूज रहते हैं क्योंकि बालों की सेहत से जुड़े अनेक मुद्दों पर काफी सटीक जानकारी का अभाव देखने को मिलता है और बालों को त्वचा और चेहरे की देखभाल के मुकाबले कम ही तवज्जो दी जाती है जबकि बाल हमारे व्यक्तित्व को निखारने में अहम भूमिका अदा करते हैं।

घने और खूबसूरत बाल हर किसी की चाहत होती है, लेकिन खराब जीवनशैली और भागदौड़ भरी जिंदगी में बालों की देखभाल करना किसी चुनौती से कम नहीं लगता। कुछ बाल झड़ने की समस्या से परेशान हैं तो कुछ की सिर में तैलीय त्वचा से जूझते रहते है। कुछ रुसी से परेशान

हैं तो कुछ के बाल बहुत रूखे हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अपने बालों की देखभाल करके थक चुके होते हैं और नतीजा उनकी इच्छा के अनुसार नहीं आता है। लेकिन आपको बता दें कि स्वस्थ बाल पाना इतना भी मुश्किल काम नहीं है।

अगर आप सेहत और अच्छे बाल चाहते हैं तो आप सिर्फ सौन्दर्य प्रसाधनों (कॉस्मेटिक्स) पर ही निर्भर नहीं रह सकते।इसके लिए संतुलित आहार काफी अहम भूमिका अदा करता है ।

मजबूत बालों के लिए रखें इन बातों का ध्यान

सेहत और अच्छे बालों के लिए नींद भी पूरी करें और खुद को तनाव मुक्त रखें।बालों की देखभाल के लिए कुछ बाहरी पोषक तत्वों की भी आवश्यकता होती है क्योंकि बाल बहुत नाजुक होते हैं, उनका भी उसी तरह से इलाज किया जाना चाहिए।बालों की देखभाल के लिए जरूरी है कि आप अपने बालों को अच्छी तरह से धोएं और प्राकृतिक चीजों से उन्हें दुलारें। बाजार में बेचे जाने बाले रसायनिक उत्पादों के नियमित प्रयोग करने से बालों पर काफी असर पड़ता है। इस वजह से आपको घर पर ही हेयर क्लींजर तैयार करना चाहिए।

आंवला और रीठा शिकाकाई

आप आंवला और रीठा शिकाकाई का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके बालों को पोषण देने के साथ–साथ स्कैल्प को भी साफ करता है।बालों को धोने के लिए आप घर पर ही प्राकृतिक क्लींजर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक मुट्ठी सूखा रीठा, शिकाकाई और आंवला लें। इन्हें एक लीटर पानी में डालकर रात भर भीगने के लिए रख दें। अगले दिन जड़ी बूटियों को पानी के साथ धीमी आंच पर तब तक उबालें जब तक कि पानी आधा न रह जाए, लेकिन इसे तेज आंच पर न उबालें। अब इस मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर छलनी की मदद से इसे छान लें। फिर इस मिश्रण का इस्तेमाल अपने बालों को धोने के लिए करें।

बालों की यूं करें ऑयलिंग

कुछ दिनों तक बालों में तेल लगाएं। बालों में हल्के हाथ से तेल से मसाज करें। इससे बालों की कोशिकाओं में रक्त का संचार बढ़ता है और बाल कोमल और मुलायम हो जाते हैं । ध्यान रहे कि आपको बालों को तेजी से रगड़ना नहीं है। आप बालों में नारियल का तेल या जैतून का तेल लगा सकते हैं। बालों को स्वस्थ बनाने में भी बादाम का तेल कारगर हो सकता है।

नारियल तेल

बालों में रुसी की समस्या के समाधान के लिए शुद्ध नारियल का तेल या तिल का तेल इस्तेमाल करके रुसी की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। आप शुद्ध जैतून का तेल गर्म करके भी लगा सकते हैं

आप रात में रूई का उपयोग करके सिर पर तेल लगा सकते हैं। अगली सुबह एक नींबू का रस को स्कैल्प पर लगाएं और आधे घंटे बाद बालों को धो लें। आप अंडे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं इसमें सिलिकॉन , सल्फर और फैटी एसिड जैसे पौषक तत्व बालों में पोषण प्रदान करने में मदद करते हैं

(लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है ।)

ऑफिस जाने वाली महिलाएं फॉलो करें ये स्किन केयर रूटीन, खिली–खिली रहेगी त्वचा

गर्मी में त्वचा की खास देखभाल की जरूरत होती है। वहीं जो वर्किंग वूमेन को अपनी स्किन का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। क्योंकि सूरज की हानिकारक किरणों, गर्म हवाओं से हमारी स्किन को काफी नुकसान पहुंचता है। जिसके कारण हमारी त्वचा डैमेज होने लगती है। वहीं गर्मी के मौसम में फोड़े–फुंसी और एक्ने की भी समस्या होने लगती है। ऐसे में अगर आप भी ऑफिस जाती हैं तो स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए त्वचा की सही देखभाल करनी बहुत जरूरी है। इसलिए आप एक प्रॉपर स्किन केयर रूटीन फॉलो कर सकती हैं।

मेकअप रिमूव करें

अगर आप भी ऑफिस जाने के दौरान मेकअप करती हैं। तो घर आने के बाद सबसे पहले अपने मेकअप को रिमूव करना न भूलें। मेकअप रिमूव करने के लिए आप मेकअप रिमूवर या क्लींजर का इस्तेमाल कर सकती हैं। नारियल का तेल मेकअप रिमूव करने के लिए एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। इससे चेहरे पर जमा मेकअप और गंदगी आसानी से साफ हो जाती है। आपको बता दें कि मेकअप रिमूव करने से स्किन के पोर्स खुल जाते हैं। आप चाहें तो गुलाब जल, ग्रीन टी या एलोवेरा से अपनी स्किन की क्लींजिंग कर सकती हैं।

फेशवॉश से साफ करें चेहरा

भले ही आप रोज मेकअप रोज रिमूव करती हैं या क्लींजिंग करती हैं। लेकिन इसके बाद भी फेस वॉश से चेहरे को धोना जरूरी होता है। इससे आपकी स्किन की डीप क्लीनिंग होती है। फेशवॉश से चेहरा धोने से एक्सट्रा ऑयल निकल जाता है। फेसवॉश के लिए आप माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल कर सकती हैं।

टोनर लगाना न भूलें

ऑफिस से घर आने के दौरान धूप, धूल–मिट्टी के कारण स्किन का पीएच लेवल बिगड़ जाता है। इसलिए फेस धोने के बाद टोनर अप्लाई करना न भूलें। बता दें कि टोनर त्वचा के पीएच लेवल को बैलेंस करने का काम करता है। इसके साथ ही स्किन को हाइड्रेट करने का काम करता है। इसके लिए आप हाइड्रेटिंग टोनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ओपन पोर्स को कम करने में भी टोनर मददगार होता है। बेहतरीन नैचुरल टोनर के तौर पर आप गुलाबजल का भी यूज कर सकती हैं।

सीरम भी करें अप्लाई

ऑफिस से घर आने के बाद आपको अपनी स्किन पर सीरम भी अप्लाई करना चाहिए। इसलिए आप अपनी स्किन के हिसाब से सीरम चुन सकती हैं। इसके लिए एंटी एजिंग सीरम, विटामिन सी सीरम का यूज कर सकती हैं।

नाइट क्रीम जरूर करें अप्लाई

ज्यादातर लोग ऑफिस से रात में 8,9 या 10 बजे के आसपास घर पहुंचते हैं। इसलिए टोनर लगाने के बाद स्किन पर नाइट क्रीम जरूर अप्लाई करनी चाहिए। नाइट क्रीम स्किन सेल्स को बनाने के साथ ही स्किन को हाईड्रेट करने का काम करता है। नाइट क्रीम त्वचा में हाइड्रेटिंग के साथ नमी बनाए रखने में मदद करती है। हालांकि स्किन टाइप का ध्यान रखते हुए ही नाइट क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए।

आंखों का भी रखें ख्याल

पूरा दिन काम करने के दौरान आपकी आंखें भी थक जाती हैं। ऐसे में आंखों का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। इसके लिए आप आंखों के नीचे नारियल तेल, गुलाब जल, बादाम का तेल आदि अप्लाई कर सकती हैं। कई बार अधिक बोझ पड़ने पर डार्क सर्कल हो जाते हैं। इसके लिए आप आंखों पर खीरे के स्लाइस भी रख सकती हैं। इससे आंखों को ठंडक मिलने के साथ ही डार्क सर्कल से भी छुटकारा मिलेगा।

होंठों को हाइड्रेट करें

त्वचा, आंखों के साथ ही होंठों को हाइड्रेट रखना भी जरूरी होता है। धूप की वजह से होंठ अकसर सूखे और बेजान नजर आने लगते हैं। ऐसे में ऑफिस से घर आने के बाद होंठों पर भी कोई हाइड्रेटिंग क्रीम जरूर अप्लाई करना चाहिए।

टॉडलर बच्चों को स्क्रीन के सामने बिठाने से हेल्थ पर पड़ता है बुरा असर, अभी से हो जाएं सतर्क

इस बात में कोई शक नहीं है कि आजकल की भागदौड़ भरी और बिजी लाइफस्टाइल के चलते मां–बाप अपनी जिंदगी में बहुत व्यस्त रहने लगे हैं। अपने कामों को निपटाने के लिए अक्सर पैरेंट्स बच्चों को टीवी या फोन में लगा देते हैं। देखा जाए तो ऐसा हर पैरेंट्स करने लगे हैं। जबकि माता–पिता यब बहुत अच्छे से जानते हैं कि ज्यादा स्क्रीन देखना बच्चों की आंखों और सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। भुवनेश्वर से केयर हॉस्पीटल की पीडियाट्रिशियन डॉक्टर ममता पांडा ने जानकारी देते हुए बताया कि टीवी या स्क्रीन टाइम से टॉडलर उम्र में बच्चों पर नेगेटिव असर पड़ सकता है?

जानिए क्या कहती हैं डॉक्टर

डॉक्टर ममता के अनुसार, कई रिसर्चों में यह खुलासा हुआ है कि ज्यादा स्क्रीन टाइम का बच्चे के विकास पर गहरा असर पड़ता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के मुताबिक दो साल से कम उम्र के बच्चे को स्क्रीन से बिलकुल दूर रखना चाहिए। वहीं 5 साल तक की उम्र के बच्चे को पूरे दिन में सिर्फ 1 घंटे स्क्रीन देखने के लिए दिया जा सकता है।

ज्यादा स्क्रीन देखने के नुकसान

डॉक्टर ममता बताती हैं कि ज्यादा देर तक स्क्रीन देखने से बच्चों की सोशल–कॉग्नीटिव और बिहेवरियल टेस्ट में परफॉर्मेंस घटने लगती है। वहीं बच्चों द्वारा जब स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताया जाता है तो उनकी हेल्दी स्लीप पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। इससे बच्चे में अटेंशन डेफिसिट प्रॉब्लमों का खतरा बढ़ाने के साथ ही बच्चे एंग्जायटी, मोटापा और डिप्रेशन आदि का भी शिकार हो सकते हैं।

टीवी देखने के नुकसान

डॉ. ममता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्क्रीन टाइम की वजह से टॉडलर उम्र में बच्चे वायलेंस को भी अपना सकते हैं। क्योंकि बच्चों को कई बार ऐसा लगता है कि मुश्किल होने पर या मुश्किलों से डील करने के लिए एक तरीका वायलेंस भी है। जिससे बच्चों के इमोशनल विकास पर इसका बुरा असर देखने को मिल सकता है। इसके अलावा इसका असर उनकी पढ़ाई पर भी पड़ता है। डॉ. ममता पैरेंट्स को सलाह देते हुए कहती हैं कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर और टैबलेट आदि बिलकुल भी नहीं देना चाहिए।

क्या करें पैरेंट्स

इसके अलावा डॉ. ममता कहती हैं कि अचानक से बच्चों को स्क्रीन टाइम से दूर नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे बच्चे के हेल्दी विकास पर असर पड़ने की संभावना होती है। अचानक से उन्हें स्क्रीन से दूर करने से फायदा होने की जगह नुकसान भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ पैरेंट्स को भी टीवी देखनी चाहिए। लेकिन स्क्रीन टाइम को लिमिट में रखें। इसके अलावा बच्चों को आउटडोर एक्टिविटीज जरूर करवाएं। इससे टॉडलर बच्चों पर स्क्रीन से पड़ने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

बिना वजह मूड खराब रहता है? ये जरूरी विटामिन्स हो सकते हैं वजह

कई बार ऐसा होता है कि न तो कोई खास तनाव होता है और न ही काम का ज्यादा दबाव, फिर भी मन भारी और मूड डाउन महसूस होता है। लोग अक्सर इसे थकान या लाइफस्टाइल से जोड़ देते हैं, लेकिन डॉक्टरों का मानना है कि इसके पीछे शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी एक बड़ी वजह हो सकती है। जो खाना हम रोज खाते हैं, उसका सीधा असर दिमाग और उसके केमिकल बैलेंस पर पड़ता है।

डॉक्टर क्या कहते हैं इस बारे में

एक्सपर्ट्स के अनुसार, तनाव, चिंता और चिड़चिड़ापन को सिर्फ मानसिक कारणों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। कई मामलों में शरीर में जरूरी विटामिन और मिनरल्स की कमी भी इसका कारण बनती है। दिमाग में बनने वाले सेरोटोनिन, डोपामिन और गाबा जैसे न्यूरोट्रांसमीटर मूड को नियंत्रित करते हैं और इनके लिए सही पोषण बेहद जरूरी होता है।

विटामिन डी की कमी से बढ़ सकती है उदासी

विटामिन डी सिर्फ हड्डियों के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। धूप की कमी, लंबे समय तक घर या ऑफिस में रहना और प्रदूषण इसकी कमी का कारण बन सकते हैं। इसकी कमी से थकान, सुस्ती और मूड में गिरावट जैसे लक्षण दिख सकते हैं। कई मामलों में यह डिप्रेशन जैसे संकेतों से भी जुड़ा पाया गया है।

विटामिन बी12 की कमी और उसका असर

विटामिन बी12 की कमी धीरे–धीरे असर दिखाती है। लगातार थकान, ध्यान लगाने में दिक्कत और मानसिक धुंधलापन इसके शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। यह समस्या खासकर शाकाहारी लोगों और बुजुर्गों में ज्यादा देखने को मिलती है। यह नसों और दिमाग के सही काम के लिए जरूरी होता है, इसलिए इसकी कमी सीधे मूड और सोचने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

विटामिन बी6, फोलेट और मैग्नीशियम की भूमिका

विटामिन बी6 और फोलेट दिमाग में ऐसे केमिकल्स बनाने में मदद करते हैं जो हमें शांत और संतुलित रखते हैं। इनकी कमी से भावनात्मक असंतुलन, चिड़चिड़ापन और बेचैनी बढ़ सकती है। वहीं मैग्नीशियम को शरीर का नेचुरल रिलैक्सर माना जाता है। इसकी कमी से नींद न आना, सिरदर्द और चिंता जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

आयरन की कमी भी हो सकती है वजह

आयरन की कमी से शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई कम हो जाती है, जिससे लगातार थकान, कमजोरी और मूड में गिरावट महसूस हो सकती है। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे तो व्यक्ति मानसिक रूप से भी थका हुआ महसूस करने लगता है।

संक्षिप्त

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 367 अंक फिसला, निफ्टी 24000 से फिसला

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में आज कमजोरी का रुख देखने को मिला है, जहां शुरुआती कारोबार में ही भारी मुनाफावसूली हावी रही और बाजार सतर्कतापूर्ण रुख का संकेत दे रहा है। इक्विटी बाजार में इस भारी गिरावट के साथ–साथ मुद्रा बाजार में भी निराशाजनक स्थिति बनी हुई है, जहां भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर आ गया है। शुरुआती कारोबार में बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 361.62 अंक गिरकर 76,907.78 के स्तर पर आ गया। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (छैम्) का निफ्टी 134.90 अंकों की गिरावट के साथ 23,980.60 पर पहुंच गया। सेक्टोरल स्तर पर बाजार की स्थिति कमजोर दिखी, जिसमें बैंकिंग, वित्तीय, रियल एस्टेट और धातु (मेटल) क्षेत्रों में भारी गिरावट दर्ज की गई तथा अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसके विपरीत, आईटी और मीडिया जैसे सुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्रों में अपेक्षाकृत मजबूती देखी गई, जबकि एफएमसीजी और फार्मा सेक्टर सुस्त रहे। कुल मिलाकर बाजार में खरीदारी की इच्छा सीमित थी और केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में ही मजबूती नजर आई। शेयर बाजार की गिरावट के बीच भारतीय रुपये ने भी चिंता बढ़ाई है। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे गिरकर 95.40 के अब तक के सबसे निचले (सर्वकालिक) स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक और एशियाई बाजारों की स्थिति भी कमजोर बनी हुई है। टोक्यो के समयानुसार सुबह 10रू45 बजे तक एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में मामूली बदलाव हुआ था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक 0.8प्रतिशत गिर गया। इसके अलावा, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 1.4प्रतिशत टूट गया और यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स में भी 0.4प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का मानना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की चुनावी जीत से बाजार को मिला भावनात्मक उछाल ज्यादा देर तक नहीं टिकेगा। उन्होंने बाजार की इस गिरावट और भविष्य के दबाव के लिए निम्नलिखित मुख्य कारकों को जिम्मेदार ठहराया है। कच्चे तेल में उबालरू होर्मुज क्षेत्र में फिर से शुरू हुई हिंसा के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें बढ़कर लगभग 113 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं, जो बाजार के लिए एक बड़ा प्रतिकूल संकेत है। विदेशी निवेशकों के लिए नकारात्मक माहौलरू अमेरिकी 10–वर्षीय बॉन्ड यील्ड का बढ़कर 4.44प्रतिशत पर पहुंचना और रुपये का टूटकर नीचे आना विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईपी) के नजरिए से बिल्कुल भी ठीक नहीं है। एफआईआई की सीमित भूमिकारू हालांकि कल एफआईआई द्वारा कैश मार्केट में खरीदारी की गई थी, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इससे किसी नए सकारात्मक रुझान की शुरुआत होने की संभावना नहीं है। मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच बाजार का रुख सतर्कता भरा रहेगा। निकट भविष्य में, शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से कंपनियों की चौथी तिमाही के नतीजों और प्रबंधन की टिप्पणियों पर निर्भर करेगी। निवेशकों को अगली रणनीतियों के लिए इन्ही नतीजों पर अपनी नजर बनाए रखनी होगी।

एक साल बाद क्लासिकल शतरंज में हारे कार्लसनय गुकेश के बाद अब इस डच ग्रैंडमास्टर ने दी शिकस्त

नई दिल्ली,एजेंसी। विश्व नंबर–एक मैग्नस कार्लसन को आखिरकार क्लासिकल शतरंज में हार झेलनी पड़ी। नॉर्वे चेस 2025 में भारत के विश्व चौंपियन गुकेश डोम्माराजू से हारने के बाद कार्लसन लगातार अजेय चल रहे थे, लेकिन अब उनकी यह लय टूट गई है। टेपे सिजमेन चेस टूर्नामेंट 2026 के चौथे दौर में नीदरलैंड्स के ग्रैंडमास्टर जोर्डन वान फॉरेस्ट ने कार्लसन को मात दी। मुकाबला बेहद तनावपूर्ण रहा। एंडगेम के दौरान दोनों खिलाड़ियों के पास समय कम था और स्थिति जटिल बनी हुई थी। एक समय ऐसा लग रहा था कि कार्लसन मुकाबला ड्रॉ करा लेंगे, लेकिन वान फॉरेस्ट ने दबाव बनाए रखा। आखिर में उन्होंने शानदार चालों की सीरीज से कार्लसन के नाइट को फंसा दिया, जिसके बाद नॉर्वे के दिग्गज खिलाड़ी को हार माननी पड़ी। मैच जीतने के बाद डच ग्रैंडमास्टर ने कहा, मैं तो ड्रॉ के लिए तैयार हो चुका था और उससे संतुष्ट भी था, लेकिन अचानक मुझे मौका मिला और फिर खेल दोबारा नियंत्रण से बाहर हो गया। उन्होंने आगे कहा. श्यह बेहद दिलचस्प मुकाबला था और मुझे लगता है कि उन्हें भी ऐसा ही लगा, इसलिए हमने खेल के बाद काफी चर्चा की। यह हार सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि कार्लसन की लंबी अजेय श्रृंखला के टूटने की कहानी है। 2022 में विश्व खिताब छोड़ने के बाद कार्लसन ने क्लासिकल शतरंज कम खेला है और वह रैपिड, ब्लिट्ज और फ्रीस्टाइल फॉर्मेट पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। माल्मो में यह टूर्नामेंट नॉर्वे चेस 2026 की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है, इसलिए उनकी हार ने टूर्नामेंट में और दिलचस्पी बढ़ा दी है। टूर्नामेंट में 14 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी यागिज काआन एर्दोगमुस फिलहाल एकल बढ़त पर हैं, जिसने प्रतियोगिता को और रोमांचक बना दिया है।

पिता बनने के बाद बदले केएल राहुल, बोले– बेटी को गले लगाते ही दर्द और चिंता सब भूल जाता हूं

बंगलूरू,एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने हाल ही में पिता बनने के अनुभव को अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत दौर बताया। उन्होंने कहा कि बेटी के आने के बाद उन्हें असली खुशी, शांति और सुकून का एहसास हुआ है। राहुल ने जियोस्टार के कार्यक्रम सुपरस्टार्स में कहा, पिता बनना मेरे लिए सबसे खूबसूरत चीज रही है। मुझे हमेशा लगता था कि मेरी जिंदगी में शांति और खुशी है, लेकिन मैं गलत था। जब तक आप अपने बच्चे को गोद में नहीं लेते, तब तक असली खुशी, सुकून और आनंद का मतलब नहीं समझते। केएल राहुल ने जनवरी 2023 में अभिनेत्री अथिया शेट्टी से शादी की थी। दोनों ने 2025 की शुरुआत में अपनी बेटी इवारा का स्वागत किया। राहुल ने बताया कि बेटी जैसे–जैसे बड़ी हो रही है, उससे दूर रहना और मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा, मुझे लगा था कि जैसे–जैसे वह बड़ी होगी, चीजें आसान हो जाएंगी, लेकिन अब तो और मुश्किल हो गया है। वह दौड़ती है, बातें करने की कोशिश करती है। मैं चाहता हूं कि मैच खेलकर लौटूं, उसके साथ समय बिताऊं और फिर मैदान पर जाऊं, लेकिन ऐसा हमेशा संभव नहीं होता। राहुल ने कहा कि क्रिकेटर की जिंदगी में चोट, दबाव और चिंता आम बात है, लेकिन बेटी की एक मुस्कान सब कुछ बदल देती है। उन्होंने कहा, श्जब मैं वापस आता हूं और उसे मुस्कुराते देखता हूं, जब वह मुझे गले लगाती है और किस करती है, तो मेरी सारी चोटें, दर्द और चिंताएं खत्म हो जाती हैं। पिछले एक साल में इसने मेरे क्रिकेट की भी मदद की है। भारतीय बल्लेबाज ने बताया कि अब वह खेल को लेकर

जरूरत से ज्यादा नहीं सोचते और इसी वजह से क्रिकेट फिर से रोमांचक लगने लगा है। उन्होंने कहा, अब मैं खेल के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। जब मैं 4–5 घंटे मैदान पर होता हूं, तो पूरी तरह फोकस रहता हूं। मैं खेल का आनंद लेता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। राहुल ने माना कि करियर की शुरुआत में उन्हें सिर्फ टेस्ट खिलाड़ी माना जाता था, लेकिन उन्होंने अपनी सफेद गेंद क्रिकेट में पहचान बनाई। उन्होंने कहा, श्10 साल पहले मैं टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए कुछ भी कर देता। मुझे अच्छा टी20 खिलाड़ी नहीं माना जाता था। इसलिए उस छवि से बाहर निकलना और यहां तक पहुंचना मेरे लिए गर्व की बात है। राहुल ने अंत में कहा कि उनके पास अभी समय है और वह आगे भी पूरी मेहनत करते रहेंगे। उन्होंने कहा, खेल में सब कुछ आपके हिसाब से नहीं होता। सफर का आनंद लेना चाहिए। मेरे पास अभी समय है, इसलिए मैं कोशिश करता रहूंगा और देखूंगा कितनी ट्रॉफियां जीत सकता हूं।

मालती ने सूर्यकुमार की कप्तानी की तारीफ की, बोलीं– फिर से पुरानी एमआई दिखी

मुंबई,एजेंसी। आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। जैसे–जैसे आईपीएल अपने अंजाम की ओर आगे बढ़ रहा है, वैसे–वैसे प्लेऑफ की जंग और दिलचस्प होती जा रही है। सोमवार को मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को हराकर खुद को प्लेऑफ की रेस में बनाए रखा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में हार्दिक पांड्या नहीं खेल रहे थे और उनकी जगह सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे थे। मैच के बाद एमआई के तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसे फैंस हार्दिक पांड्या पर तंज मान रहे हैं। इस मैच से पहले हार्दिक की कप्तानी में मुंबई ने नौ में से सात मैच गंवाए थे। मालती ने लिखा कि लखनऊ के खिलाफ मैच में पुरानी मुंबई इंडियंस की झलक दिखी। साथ ही उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की तारीफ भी की। मालती ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, फिर असली मुंबई इंडियंस जैसी फीलिंग आई! लगभग सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बहुत बढ़िया खेले रेयान रिकेल्टन और रोहित भैया! सूर्यकुमार की कप्तानी भी शानदार रही। और दीपक ने पूरे चार ओवर डाले, बहुत अच्छी गेंदबाजी भाई! यह सही मायनों में टीम गेम था। फैंस इस पोस्ट को हार्दिक पर तंज मान रहे हैं। हार्दिक की कप्तानी की जमकर आलोचना भी हो रही है। यह जीत पांच बार की चैंपियन टीम के लिए बड़ी राहत बनकर आई, जिससे उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रहीं। मुंबई की टीम फिलहाल अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जबकि लखनऊ आखिरी स्थान पर है। नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या पीठ में ऐंठन के कारण यह मैच नहीं खेल सके थे। दीपक चाहर को इस मैच से पहले पूरे चार ओवर भी डालने को नहीं मिल रहे थे। हालांकि, लखनऊ के

खिलाफ उन्होंने चार ओवर में 43 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। दीपक ने अपने आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 15 रन खर्च किए, जो लखनऊ सुपर जाएंट्स को 228 रन पर रोकने में बेहद अहम साबित हुआ। मैच के बाद कार्यवाहक कप्तान सूर्या ने कहा, श्सच कहूं तो हम इस सीजन में कई बार ऐसी स्थिति में रहे हैं। हमारे लिए यह कुछ नया नहीं था। मुझे पता था कि टी20 क्रिकेट में पावरप्ले के बाद सात से 10 ओवर का समय सबसे अहम होता है, जहां से मैच पलटा जा सकता है। हमें मालूम था कि अगर यहां–वहां दो विकेट मिल जाएं तो हम मुकाबले पर पकड़ बना सकते हैं। जिस तरह सभी गेंदबाजों ने जवाब दिया, उसने शानदार जज्बा दिखाया।

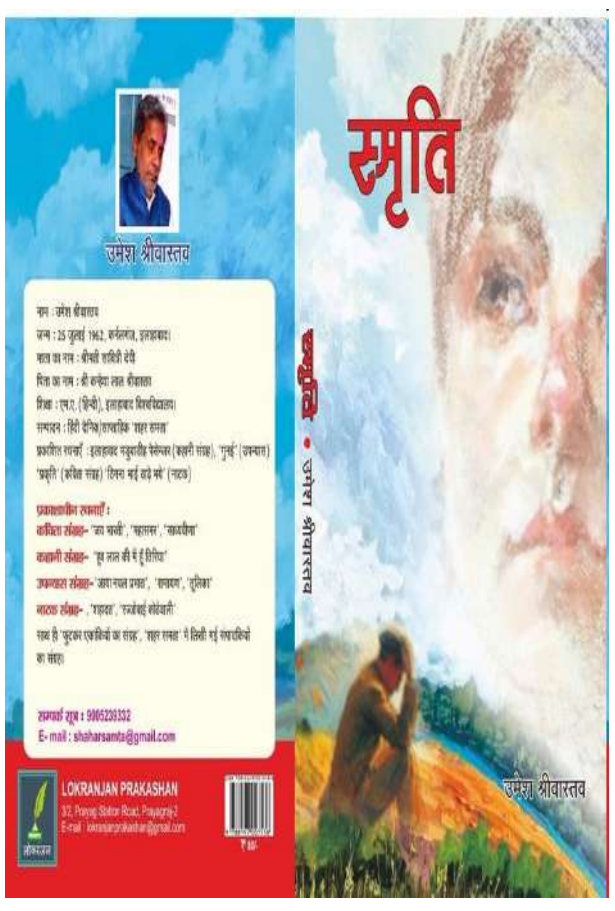

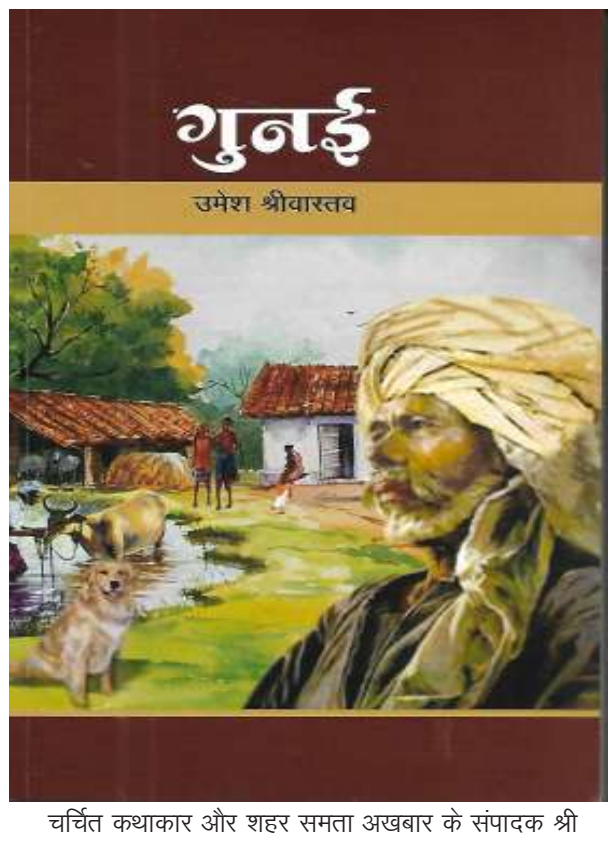

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

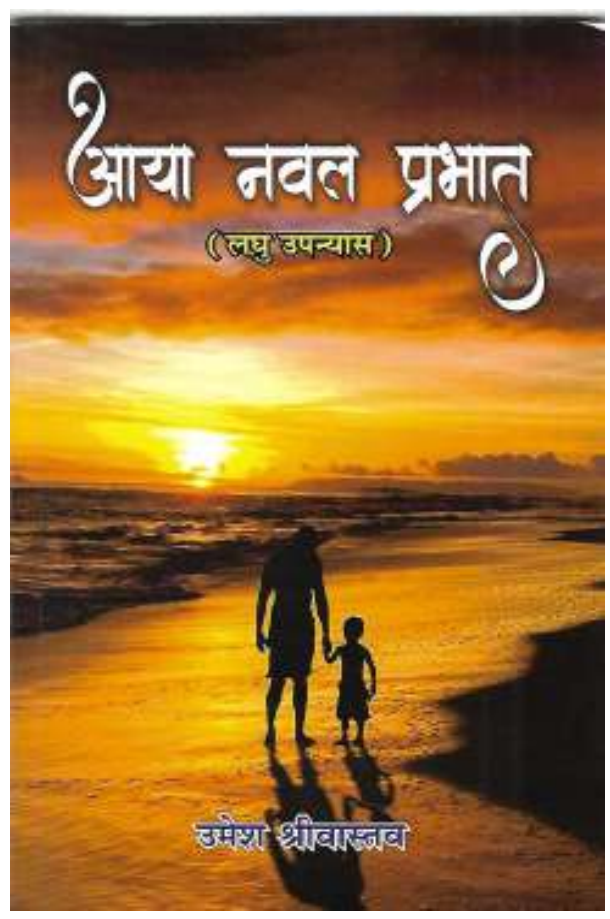

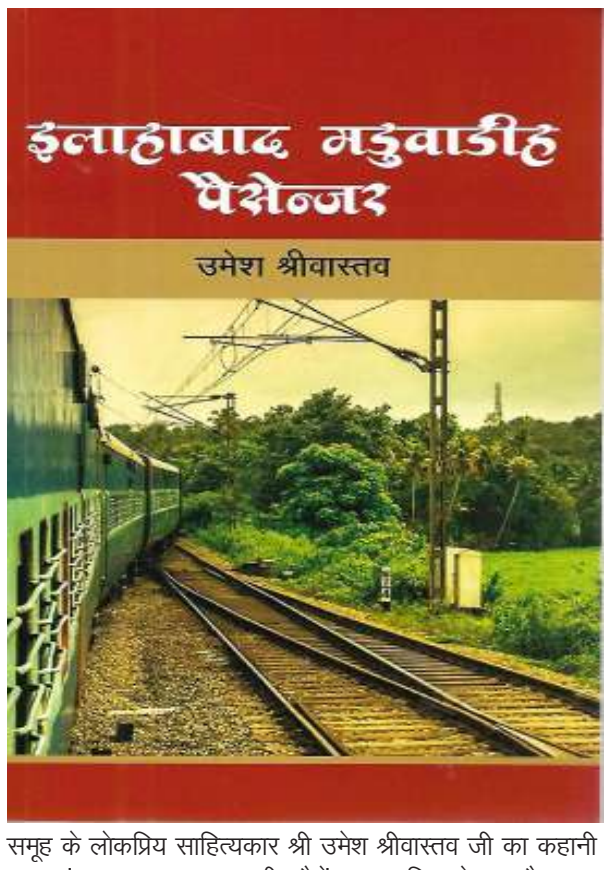

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

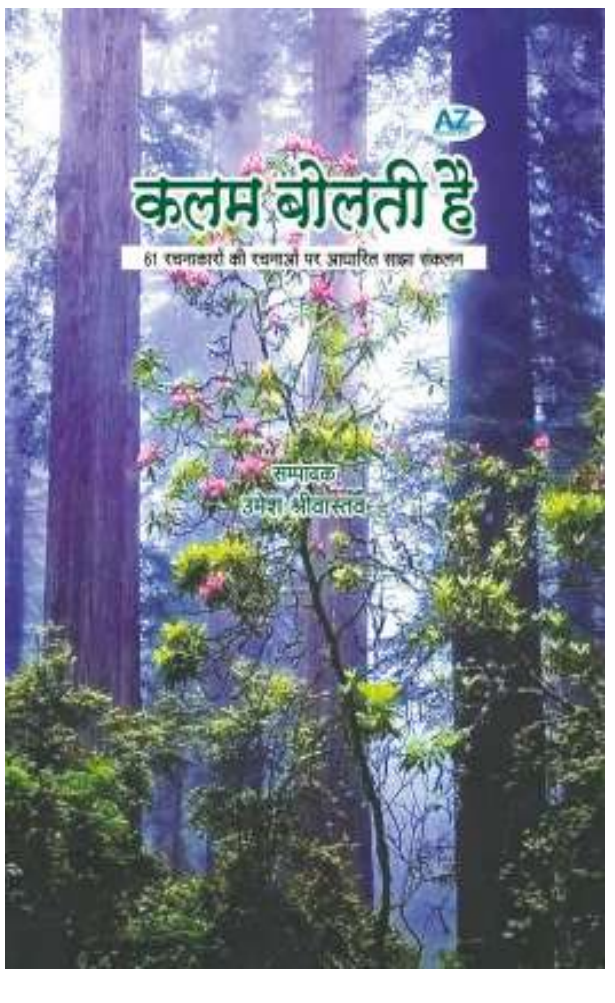

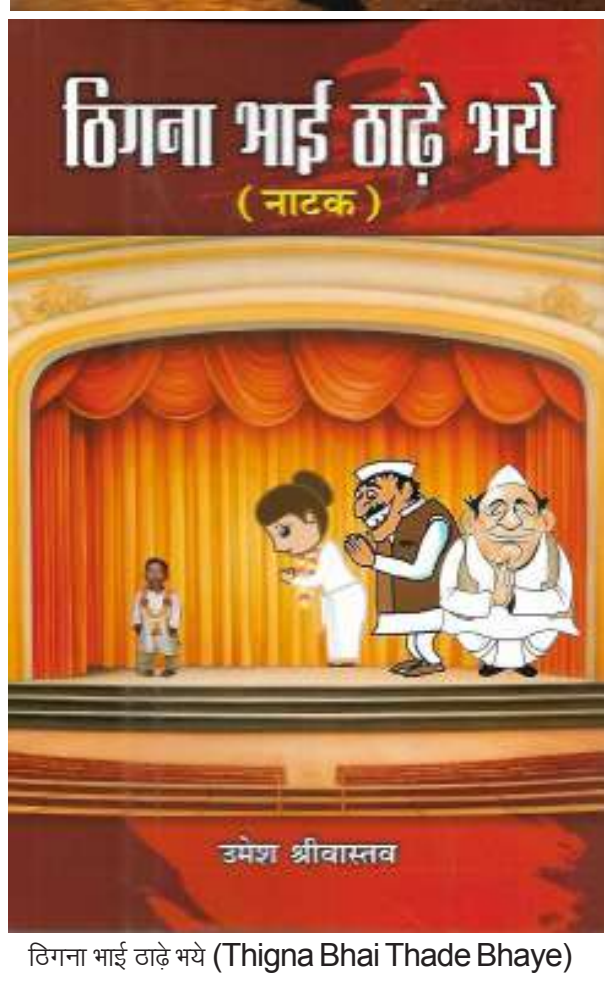

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अगले संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के लिए महिला उम्मीदवार का चीन ने किया समर्थन, चयन प्रक्रिया शुरू

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। चीन ने संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव के रूप में एक महिला के चुनाव का समर्थन किया

है। इसके साथ कहा कि वैश्विक संस्था के नेतृत्व में एक महिला नेता को देखकर बहुत खुशी होगी। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्षों के इतिहास में कभी भी किसी महिला नेता ने नेतृत्व नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र में अगले प्रमुख के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। दो महिला उम्मीदवार कौन हैं? संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट और संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन सहित दो महिलाएं विश्व के शीर्ष राजनयिक के पद के लिए दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों में से हैं। 80 साल में एक भी महिला महासचिव नहीं संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत फू कोंग ने सोमवार को यहां कहा, श्हमें एक महिला महासचिव को देखकर खुशी होगी। 80 साल हो गए हैं, इसलिए अगर हमें एक महिला महासचिव मिल जाए तो चीन को बहुत खुशी होगी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल भी संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। पिछले महीने चारों उम्मीदवारों को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और नागरिक समाज के व्यापक संवादात्मक संवादों के दौरान अगले महासचिव के पद के लिए उनके दृष्टिकोण और संयुक्त राष्ट्र में शीर्ष पद के लिए वे सबसे अच्छे विकल्प क्यों हैं? इस बारे में सवालों का सामना करना पड़ा। मजबूत महासचिव की जरूरत– चीन जब उनसे पूछा गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए चार नामांकित व्यक्तियों में से चीन का कोई पसंदीदा उम्मीदवार है, तो मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष भी रहे फू ने पिछले सप्ताह कहा, श्अगर होता, तो मैं आपको नहीं बताता।श उन्होंने कहा कि बीजिंग के पास अगले महासचिव के लिए कुछ मानदंड हैं। यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र एक बहुत ही नाजुक मोड़ पर है और एक मजबूत महासचिव की आवश्यकता है , जो वास्तव में बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध हो, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हो और किसी एक महाशक्ति की नीतियों के साथ बहुत अधिक जुड़ा हुआ न हो।

वेंस का काफिला गुजरते ही चली गोलियां: व्हाइट हाउस के पास एक हथियारबंद व्यक्ति ने की गोलीबारी, लगा लॉक डाउन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में उस समय भारी हड़कंप मच गया जब व्हाइट हाउस के पास अचानक गोलीबारी की घटना हो गई। एक हथियारबंद व्यक्ति और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों के बीच हुई इस भयंकर गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस को सुरक्षा कारणों से

कुछ देर के लिए पूरी तरह से लॉक डाउन कर दिया गया। यह घटना वाशिंगटन स्मारक के पास ठीक उस समय हुई जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का काफिला वहां से गुजर रहा था। सोमवार को अमेरिकी समयानुसार, दोपहर करीब साढ़े तीन बजे 15वीं स्ट्रीट एसडब्ल्यू और इंडिपेंडेंस एवेन्यू एसडब्ल्यू के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को हथियार के साथ देखा गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के डिप्टी डायरेक्टर मैथ्यू सी. क्विन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि व्हाइट हाउस परिसर के बाहरी इलाके में लगातार गश्त कर रहे सादे कपड़ों वाले एजेंटों ने एक ऐसे संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की, जिसके पास बंदूक थी। जब वर्दीधारी अधिकारी उस संदिग्ध व्यक्ति के पास पहुंचे, तो उसने मौके से पैदल भागने की कोशिश की और सीक्रेट सर्विस के एजेंटों पर सीधे गोलियां चला दीं। संदिग्ध व्यक्ति के अचानक हमला करने के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और उस पर गोलियां चलाईं। इस पुलिसिया फायरिंग में संदिग्ध व्यक्ति घायल हो गया, जिसे फौरन हिरासत में लेकर इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस के अधिकारी क्विन ने बताया कि इस दौरान संदिग्ध व्यक्ति द्वारा चलाई गई एक गोली पास में मौजूद एक नाबालिग को भी लग गई। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि नाबालिग की जान को कोई खतरा नहीं है और उसकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। घटना के तुरंत बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठा कि इस हथियारबंद व्यक्ति का असली निशाना आखिर कौन था। क्या वह उपराष्ट्रपति या मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति पर हमला करना चाहता था? इस पर डिप्टी डायरेक्टर क्विन ने स्पष्ट किया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि बंदूकधारी का निशाना कौन था। उन्होंने कहा कि हमारी टीम 24 घंटे इस इलाके में पूरी मुस्तैदी से गश्त करती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

ट्रंप प्रशासन का ‘नार्को–आतंकवाद’ पर प्रहार: होर्मुज नहीं, इस सागर में बरपाया कहर, नाव पर किया हमला, दो की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सेना ने एक बार फिर से कैरेबियन सागर में एक बड़ी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया है। अमेरिकी सेना ने एक नाव पर जोरदार हमला किया है, जिस पर ड्रग्स यानी नशीले पदार्थ ले जाने का शक था। इस भीषण हमले में नाव पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। यह घटना दिखाती है कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का प्रशासन नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए कितना सख्त और आक्रामक रुख अपना रहा है। इस ताजा हमले के साथ ही लैटिन अमेरिकी जलक्षेत्र में संदिग्ध ड्रग्स तस्करों की नावों को बम से उड़ाने का सिलसिला

लगातार जारी है। ट्रंप प्रशासन का यह अभियान बीते सितंबर महीने की शुरुआत से ही चल रहा है। अब तक इस तरह के हमलों में कुल 188 लोगों की जान जा चुकी है। पूर्वी प्रशांत महासागर के इलाकों में भी ऐसे कई हमले किए गए हैं। ईरान युद्ध के बावजूद, हाल के हफ्तों में इन हमलों में काफी तेजी आई है। अमेरिका इसे ड्नार्को–आतंकवादड का नाम दे रहा है और इसे जड़ से खत्म करने का दावा कर रहा है। क्या अमेरिका ने इन हमलों में ड्रग्स मिलने का कोई सबूत दिया? हालांकि अमेरिकी सेना लगातार इन नावों को निशाना बना रही है, लेकिन सेना ने अब तक ऐसा कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किया है जिससे यह साबित हो सके कि जिन नावों को नष्ट किया गया, उनमें सच में ड्रग्स भरे हुए थे। सोमवार को हुए इस ताजा हमले को लेकर अमेरिकी दक्षिणी कमान ने अपने पुराने बयानों को ही दोहराया है। सेना ने कहा कि उन्होंने तस्करी के जाने–माने रास्तों पर इन संदिग्ध तस्करों को निशाना बनाया है। सेना ने सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें एक नाव पानी में चलती हुई दिख रही है और फिर एक बहुत बड़ा धमाका उसे आग की लपटों में निगल लेता है। कैरेबियन सागर में इस बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत कैसे हुई? इन हमलों की शुरुआत तब हुई जब अमेरिका ने पीढ़ियों बाद इस क्षेत्र में अपनी सबसे बड़ी सैन्य उपस्थिति दर्ज कराई। यह सब उस बड़ी छापेमारी से कुछ महीने पहले शुरू हुआ था, जो इसी साल जनवरी में की गई थी। उस छापेमारी में वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद मादुरो को न्यूयॉर्क लाया गया था, जहां उन पर ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, मादुरो ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है और खुद को निर्दोष बताया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इन आक्रामक हमलों को किस तरह सही ठहराया? मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका में ड्रग्स कार्टेल (गिरोहों) के साथ सशस्त्र संघर्ष यानी हथियारों की लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने इन हमलों को बिल्कुल सही और जरूरी ठहराया है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका में नशीले पदार्थों की सप्लाई को रोकने और इसके कारण होने वाली अमेरिकी नागरिकों की मौत को कम करने के लिए ऐसा करना बेहद आवश्यक है। हालांकि, नार्को–आतंकवादियों को मारने के उनके दावों का समर्थन करने के लिए प्रशासन ने बहुत कम सबूत दिए हैं। इसी वजह से कई आलोचक इन नावों पर किए गए हमलों की कानूनी वैधता पर भी लगातार गंभीर सवाल उठा रहे हैं।

‘कमजोर हो रहा ईरानी नेतृत्व’: ईरान पर कार्रवाई को लेकर ट्रंप बोले- हमारा मिनी वॉर सफल

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे भारी तनाव के बीच एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ चल रही सैन्य कार्रवाई को लेकर एक बहुत बड़ा बयान दिया है। उनका साफ कहना है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना का श्मिनी वॉरश यानी छोटा युद्ध बहुत ही शानदार तरीके से चल रहा है और सेना अपने सभी बड़े लक्ष्य हासिल कर रही है। अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा और उसके मंसूबों को कुचल देगा। व्हाइट हाउस में श्नेशनल स्मॉल बिजनेस वीकश के एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस पूरे सैन्य अभियान को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया को एक बहुत बड़े खतरे से बचाने के लिए यह सख्त कार्रवाई करनी ही पड़ी। उनके

अनुसार, इस छोटे से युद्ध ने ईरान की कमर तोड़ कर रख दी है और उसकी ताकत अब काफी हद तक खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अमेरिका पूरी तरह से सतर्क है और ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने के सपने को कभी पूरा नहीं होने दिया जाएगा। इस सैन्य अभियान की कामयाबी का जिक्र करते हुए ट्रंप ने बताया कि ईरान की रक्षा और सैन्य व्यवस्था अब पूरी तरह से बेबस हो चुकी है। उन्होंने जानकारी दी कि ईरान के पास अब न तो कोई नौसेना बची है और न ही उसकी वायुसेना में कोई दम रह गया है। यहां तक कि ईरान के रडार और हवाई हमलों से बचने वाले सुरक्षा साधन भी तबाह हो चुके हैं। ट्रंप का दावा है कि इस तबाही के बाद ईरान के शीर्ष नेता भी अब किसी प्रभावी स्थिति में नहीं बचे हैं और उनका पूरा नेतृत्व अब बेहद कमजोर पड़ गया है। इस सैन्य अभियान को एक श्मिनी वॉरश करार देते हुए मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस कार्रवाई का विरोध करने वालों और कम जनसमर्थन के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि इस युद्ध को सिर्फ 32 प्रतिशत अमेरिकी ही पसंद कर रहे हैं। लेकिन ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अगर आम लोगों को इस युद्ध की सच्चाई और जरूरत ठीक से समझाई जाए, तो यह समर्थन का आंकड़ा बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। साथ ही उन्होंने दुनिया की सबसे मजबूत अमेरिकी सेना की भी जमकर तारीफ की। युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल की भारी आशंकाओं पर भी ट्रंप ने स्थिति बिल्कुल साफ कर दी। उन्होंने बताया कि लोगों को डर था कि ऊर्जा और तेल की कीमतें 300 डॉलर तक पहुंच जाएंगी, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। फिलहाल तेल की कीमत 100 डॉलर के आस–पास ही है और आगे यह और भी नीचे जा सकती है। सप्लाई की दिक्कतें खत्म हो रही हैं और हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने इस बात पर भी खुशी जताई कि इस सैन्य कार्रवाई के बावजूद अमेरिका का शेयर बाजार बहुत मजबूत है और इस दौरान भी नए उच्च स्तर को छू रहा है।

‘टैरिफ अमेरिकी व्यापार नीति का अहम हिस्सा, बीजिंग पर दबाव बढ़ाएंगे’, चीन दौरे से पहले ट्रंप का बड़ा बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आयात शुल्क (टैरिफ) अब भी अमेरिकी व्यापार नीति का एक मुख्य साधन (टूल) रहेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इन कदमों का उद्देश्य चीन और अन्य देशों पर दबाव बनाना है, जिन्होंने अमेरिकी कारोबार को नुकसान पहुंचाया। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि सस्ते आयात से घरेलू कंपनियों को नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस महीने के आखिर में चीन के दौरे पर जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। चीन की यात्रा से पहले उन्होंने कहा, चीन और दूसरे देशों के ऐसे उत्पाद बनाने से आपको नुकसान हो रहा है जो उतने अच्छे नहीं हैं, लेकिन उनमें कम पैसे लगते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि टैरिफ इस प्रवृत्ति को बदलने और राजस्व बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, टैरिफ के इस्तेमाल की वजह से हमारे पास यह सारा पैसा है। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि मौजूदा टैरिफ दरें पर्याप्त नहीं हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां विदेशी प्रतिस्पर्धा का दबाव लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर कंपनियां उत्पादन अमेरिका में करेंगी तो उन्हें टैरिफ नहीं देना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि इससे कई उद्योग फिर से देश में लौट रहे हैं, खासकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) में बड़े स्तर पर सुधार से जोड़ा और कहा, हमने अपने जिस कार उद्योग को खो दिया था, वो सब वापस आ रहा है। ट्रंप ने अमेरिका–चीन संबंधों को प्रतिस्पर्धी लेकिन मित्रतापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में अमेरिका चीन से आगे है। हमारे बीच मित्रतापूर्ण प्रतिस्पर्धा है। उन्होंने पिछली व्यापार नीतियों की आलोचना की। ट्रंप ने कहा, इस देश में हमें दशकों से ठगा गया है। पहले की सरकारें घरेलू उद्योगों को बचाने में नाकाम रही हैं। टैरिफ ने हमारे देश को अमीर बनाया है। उन्होंने फर्नीचर और अन्य निर्माण क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि उत्पादन को फिर से अमेरिका में लाने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही उन्होंने माना कि टैरिफ नीतियों को लेकर कानूनी चुनौतियां भी मौजूद हैं, लेकिन सरकार के पास अन्य मजबूत विकल्प भी हैं। ट्रंप ने कहा कि छोटे व्यवसाय अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने टैक्स में कटौती और नियमों में ढील के साथ टैरिफ को विकास का प्रमुख कारक बताया। नेशनल स्मॉल बिजनेस वीक के मौके पर ट्रंप ने कहा कि यह क्षेत्र आर्थिक गतिविधि में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, इस कमरे में बैठे लोग 36 मिलियन छोटे कारोबार का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो अमेरिका में सभी आर्थिक गतिविधियों का 40 फीसदी बनाते हैं।

जमैका दौरे पर जयशंकर का बड़ा कूटनीतिक दांव, आर्थिक रिश्तों को नई रफ्तार देने पर जोर

किंग्स्टन (जमैका), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने दो दिवसीय कैरेबियाई दौरे के पहले चरण में

जमैका की राजधानी किंग्स्टन में उच्चस्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी रखते हुए द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने पर जोर दिया। इस दौरे में जमैका के अलावा सूरीनाम और त्रिनिदाद व टोबैगो भी शामिल हैं। भारत–जमैका साझेदारी को नया आयाम विदेश मंत्री जयशंकर ने जमैका की विदेश मंत्री कामिना जॉनसन स्मिथ और कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ व्यापक वार्ता की। इस दौरान दोनों देशों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, डिजिटल सहयोग, पर्यटन, खेल, मनोरंजन, बुनियादी ढांचा और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी की समीक्षा की गई। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह इन–डेप्थ रिव्यू भारत–जमैका संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम है। आर्थिक सहयोग पर विशेष जोर बाद में उन्होंने जमैका के उद्योग और व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात की और वैश्विक स्तर पर बदलते आर्थिक परिदृश्य के बीच भारत–जमैका व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विश्व में विश्वसनीय साझेदारों की तलाश के इस दौर में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं को और अधिक सक्रियता से तलाशना जरूरी है। प्रधानमंत्री से मुलाकात, संबंधों को नई गति जयशंकर ने जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच आपसी संबंध को और मजबूत करने पर चर्चा की। भारत का मानवीय सहयोगरू ठभीष्म क्यूब्स भेंट भारत ने इस अवसर पर जमैका को 10 श्भीष्म क्यूब्स (ठभीष्म ब्नइम) भी भेंट किए। यह मोबाइल अस्पताल प्रणाली आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान तेजी से तैनात की जा सकती है। जयशंकर ने इसे भारत–जमैका मित्रता, आपदा तैयारी और तकनीकी नवाचार का प्रतीक बताया। क्रिकेट से जुड़ा सांस्कृतिक रिश्ता इस यात्रा के दौरान भारत और जमैका के बीच खेल, खासकर क्रिकेट, के साझा संबंधों को भी रेखांकित किया गया। भारत ने किंग्स्टन के ऐतिहासिक सबिना पार्क स्टेडियम को नया स्कोरबोर्ड भेंट किया।

चीन के हुनान में पटाखा फैक्टरी में बड़ा विस्फोट: 21 लोगों की दर्दनाक मौत, 61 घायलय कंपनी के अधिकारी हिरासत में

बीजिंग, एजेंसी। मध्य चीन के हुनान प्रांत से एक बेहद दर्दनाक और खौफनाक खबर सामने आई है। यहां की एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक हुए भयानक विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया है। इस दिल दहला देने वाले हादसे में अब तक 21 लोगों

की जान जा चुकी है, जबकि 61 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के इलाकों में भारी तबाही मच गई और आसमान में धुएं का गुबार छा गया। इस भीषण त्रासदी के बाद प्रशासन ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया है और राहत व बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह भयानक हादसा हुनान प्रांत के लियुयांग इलाके में सोमवार शाम करीब 4ब्40 बजे हुआ। पटाखा फैक्ट्री में हुए इस विस्फोट के तुरंत बाद हुनान प्रांत के प्रशासन ने अपना आपातकालीन प्रतिक्रिया प्लान (इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान) लागू कर दिया। हालात की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पांच बचाव दलों को घटनास्थल पर भेजा गया। इन बचाव दलों में कुल 482 जवान शामिल हैं, जो मौके पर पहुंचकर बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं। मंगलवार सुबह 8 बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस हादसे में 21 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और सभी 61 घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस भयंकर विस्फोट के बाद भी खतरा पूरी तरह से टला नहीं है। प्लांट के अंदर काले बारूद (ब्लैक पाउडर) के दो बड़े गोदाम मौजूद हैं, जिनसे एक और बड़ा धमाका होने का भारी जोखिम बना हुआ है। इस खतरे को देखते हुए बचाव कमान ने घटनास्थल के 1 किलोमीटर के दायरे को श्कोर रेस्क्यू जोनश (मुख्य बचाव क्षेत्र) और 3 किलोमीटर के दायरे को श्कंट्रोल जोनश (नियंत्रण क्षेत्र) घोषित कर दिया है। एहतियात के तौर पर इस खतरनाक इलाके में रहने वाले सभी स्थानीय निवासियों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। किसी अन्य हादसे को रोकने के लिए बचाव दलों ने पूरी फैक्ट्री के चारों ओर आइसोलेशन बेल्ट और फायरब्रेक बना दिए हैं। इसके साथ ही बचे हुए बारूद के खतरे को खत्म करने के लिए लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है और नमी बनाई जा रही है। इस बीच, जन सुरक्षा अधिकारियों (पुलिस) ने सख्त कदम उठाते हुए इस हादसे के लिए जिम्मेदार कंपनी के प्रमुख अधिकारियों को हिरासत में ले लिया है।

बलूचिस्तान में हिंसा से टूटी अमेरिकी उम्मीदें

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने अमेरिका की बड़ी आर्थिक योजनाओं को झटका दे दिया है। पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मुलाकात के बाद जो नई शुरुआत दिखी थी, वह अब जमीन पर कमजोर पड़ती नजर आ रही है। खनिज संपदा से भरपूर इस क्षेत्र में निवेश की उम्मीदें थीं, लेकिन लगातार हमलों ने हालात बिगाड़ दिए हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।